हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, रविवार, 24 दिसंबर, 2023

तापमान

अधिकतम 21.5 डिग्री
न्यूनतम 5.3 डिग्री

11 प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन

12 पूर्ण आहुति डाल दिया लोगों को गीता का संदेश

खबर संक्षेप

धोखाधड़ी का आरोपित गिरफ्तार, केस दर्ज

सोनीपत। क्राइम यूनिट प्रथम सोनीपत की पुलिस ने अवैध शराब व धोखाधड़ी की वारदात में शामिल एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित कृष्ण कुमार सेक्टर-13 मनी माजरा चण्डीगढ़ का है। पुलिस टीम ने कार सहित दो युवकों को गिरफ्तार किया था। उनके पास से 356 बोतल अवैध शराब बरामद हुई थी। पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया था। आरोपित को अदालत में पेश किया। अदालत ने आरोपित को जमानत पर रिहा कर दिया।

ट्रांसफार्मर की क्वाइल और तेल चोरी

गन्नौर। रात के समय सर्दी व कोहरा बढ़ने के साथ चोरी की घटनाओं को चोर अंजाम देने लगे है। चोर अधिकतर खेतों में लगे ट्रांसफार्मर को अपना निशाना बना रहे है। ऐसी ही एक घटना पांची गांव में किसान सुलतान के खेत में हुई। चोर ट्रांसफार्मर के अन्दर का सारा सामान, क्वाईल व तेल चोरी कर ले गए। गन्नौर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 19 दिसंबर की रात को चोर किसान के खेत से 16 केवी के ट्रांसफार्मर का अन्दर से सामान, क्वाईल व सारा तेल चोरी कर ले गए। चोरी होने से निगम को लगभग 56500 रुपए का आर्थिक नुकसान हुआ है।

भोगीपुर में घर के बाहर से गाड़ी चोरी

गन्नौर। भोगीपुर गांव में घर के बाहर खड़ी गाड़ी चोरी हो गई। गाड़ी के मालिक ने चोरी की शिकायत बड़ी थाना पुलिस को दी है। शिकायत में राम नगर कालोनी, रोहतक निवासी अमित ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ 15 दिसम्बर को अपनी रिशेतदार के घर भोगीपुर गांव में आया था। उसने गाड़ी को रात के समय गली के बाहर खड़ा कर दिया। अगली सुबह उठा तो उसकी गाड़ी गायब थी।

पति पर मारपीट का आरोप, केस दर्ज

गन्नौर। पटेल नगर में एक महिला ने अपने पति के खिलाफ मारपीट के बाद जाने से मारने की धमकी देने के आरोप में मेडिकल करवाने के बाद पुलिस में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने शिकायत के बाद मामला दर्जकर कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस को दी शिकायत में मामला पटेल नगर निवासी सुशीला ने शिकायत में आरोप लगाया कि मेरे पति ने मारपीट के बाद गला दबाने की कौशिश करते हुए जान से मारने की धमकी दी। शिकायत में बताया कि में पल्लवल में नर्स के पद पर तैनात हुं। बड़ा बेटा विदेश में पढ़ने गया हुआ है। छोटा बेटा घर नही था। डयूटी करने के बाद जब रात को घर आई तो मेरा पति रात को 9 बजे शराब पीकर घर आया। उसके बाद मारपीट करने लगा। इसके बाद डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी।

दुकान पर गए युवक से मारपीट

सोनीपत। सदर थाना क्षेत्र के गांव हुल्लेड़ी में दुकान पर सामान लेने गए युवक से मारपीट करने व धमकी देने के आरोप का मामला सामने आया है। पीड़ित ने मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने इस संबंध में विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

गांव हुल्लेड़ी निवासी सत्यवान ने बताया कि वह देर शाम गांव में धनिया लेने के लिए गया था। उसी दौरान रामकुंवार, अंकुर दोनों उसके पास आकर कहासुनी करने लगे। विरोध करने पर मारपीट करना शुरू कर दिया। उसके बाद वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। घायल अवस्था में उपचार के लिए अस्पताल में लाया गया। जहां उपचार के बाद उसे छुट्टी मिल गई। मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर र ही है।

छिछड़ाना सरपंच की हत्या मामले में एसआईटी गठित, गृहमंत्री ने दिए आदेश

परिजनों ने शनिवार को गृहमंत्री के जनता दरबार में लगाई थी गुहार

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

पंचायत चुनाव की रंजिश में 11 दिसंबर की सुबह गांव छिछड़ाना में खेतों में जा रहे सरपंच की गोलियां बरसाकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में प्रदेश के गृहमंत्री अनिल विज ने सोनीपत पुलिस कमिश्नर को एसआईटी गठित करने के निर्देश दिए हैं। अनिल विज ने शनिवार को अंबाला स्थित अपने आवास पर छिछड़ाना के मृतक सरपंच के परिजनों की फरियाद सुनने के बादे ये आदेश दिए हैं। परिजनों ने बताया कि खेतों में जा रहे सरपंच की गोलियां मारकर हत्या करने के बाद हमलावर उसका रिवाल्वर भी उठा ले गए। हमलावरों ने गांव पहुंचकर उसके चचेरे भाई पर भी गोलियां बरसाई। उस समय पुलिस ने मृतक के बेटे और चचेरे भाई की शिकायत पर दो मामले दर्ज किए थे, हालांकि अभी कार्रवाई के नाम पर चार की

- 11 दिसंबर की सुबह खेतों में जा रहे सरपंच की हत्या का मामला
- मामले का मुख्य आरोपित अभी तक फरार

गिरफ्तारी तो हो चुकी है, लेकिन मुख्य आरोपित अभी गिरफ्त से बाहर है। छिछड़ाना के मंजीत की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज किया था। शिकायत में पुलिस को बताया कि उसके पिता एवं सरपंच राजेश उर्फ राजू 11 दिसंबर की सुबह बाइक से खेत में जा रहे थे। रास्ते में कई लोगों ने गोलियां मारकर उसके पिता की हत्या कर दी। किसानों द्वारा सूचना देने पर वह अपनी मां के साथ मौके पर गया और अपने पिता को उठाकर बीपीएस राजकीय महिला मेडिकल कालेज के अस्पताल लेकर गए। वहां चिकित्सक ने उनको मृत घोषित कर दिया। मंजीत ने पुलिस को बताया कि पंचायत चुनाव में उसके पिता राजेश के साथ दलबीर बैरागी चुनाव लड़ रहे थे। दलबीर की चुनाव से दो दिन पहले हत्या कर दी गई थी। इसी पर दलबीर के स्वजन उसके पिता से रंजिश रखते थे। हमलावर उसके पिता की लाइसेंस पिस्तौल भी उठा ले गए। दूसरी ओर सरपंच के चचेरे भाई राजू ने बताया कि उसका घर दलबीर के घर के सामने है। वह अपने घर की बालकोनी में खड़ा था। साहिल व दो अन्य युवकों ने आते ही उस पर फायर किए लेकिन वह बच गया। हमलावरों कहा कि उसके भाई राजेश की हत्या कर दी है। उसके शव को खेतों से उठाकर ले आना। मंजीत व राजू की शिकायत पर साहिल, दलबीर के भाई राजेश और उसके बेटों पर केस दर्ज किया गया था।

सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर ली थी हत्या की जिम्मेदार

सरपंच की हत्या करने के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर हत्या की जिम्मेदारी ली गई है। सोशल मीडिया पर डाली गई पोस्ट में लिखा था कि बदला ले लिया। पोस्ट पर एक साथ दो फोटो लगाई गई थी। एक फोटो में दलबीर फौजी व युवक है। दूसरी फोटो में दो युवक हथियार आगे रखे हुए थे। पोस्ट में लिखा गया कि राम राम सारे भाइयों नै, यह तो शुरूआत हुई है। ये जो हमे सेध रहा है उनके आसपास आले और घर आले सभी ने सेधेंगे। देखेंगे कितने बड़े गुंडे हो तुम। भाग लो जहां तक भागा जाए तुम्हारे से। दलबीर फौजी थारी आत्मा ने शांति दे। इसके साथ आडियो भी डाली गई जिसमें बोला गया कि यह तो व्यक्तिगत लड़ाई बन चुकी है। इस लड़ाई ने चलने दो, हम चाहते हैं दुश्मनी बराबर निरंतर चलती रहे, जब तक दोनों तरफ से आदमी मर न जावै तब तक दुश्मनी बनी रहे। जो जैसी करेगा वैसी भरेगा, तीर छोड़ा था हमारी तरफ वापस मोड़ दिया। दोबारा करेंगे फिर मोड़ दूंगा। इससे पहले सरपंच प्रत्याशी दलबीर उर्फ फौजी की हत्या के बाद भी सोशल मीडिया पर पोस्ट डाल कर लिखा था बदला ले लिया है भाई का, जब बाबा की-भोलू गैंग।

2016 से चल रहा खूनी खेल

गांव छिछड़ाना में 29 अगस्त, 2016 को आशीष की हत्या की गई थी। तब उसके भाई अमित ने आरोप लगाया था कि गांव का राजेश उनके भाई को अपने घर ले गया। वहां पर राजेश, संजय, दलबीर और अन्य ने आशीष की हत्या कर दी। बाद में मामले में दोनों पक्षों में समझौता हो गया था, जिसके बाद आरोपी बरी हो गए। छह साल बाद पंचायत चुनाव में नवंबर, 2022 में फिर रंजिश शुरू हो गई। सरपंच का पद सामान्य था।

सामान्य वर्ग से राजेश समेत तीन और पिछड़ा वर्ग से दलबीर मैदान में थे। 10 नवंबर, 2022 को दलबीर की गोलियां मारकर हत्या कर दी गई थी। उनके बेटे राहुल को भी गोली मारी थी। तब आरोप लगा था कि सरपंच राजेश उर्फ राजू की साजिश पर उनके पिता की हत्या की गई। बाद में पोस्ट डाली तो सामने आया था कि आशीष और भोलू की दोस्ती थी। पंचायत चुनाव में दलबीर की सक्रियता बढ़ने पर वारदात को अंजाम दिया गया था।

कोरोना के नए वैरिएंट जेएन-1 को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

पीएचसी और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहित नागरिक व निजी अस्पतालों में बेड निर्धारित

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

कोविड-19 संक्रमण के बाद जेएन-1 वेरिएंट को लेकर प्रदेश सरकार व विभाग की तरफ से मिले निर्देशों के बाद जिले में प्राइवेट, सरकारी पीएचसी व सीएचसी सहित सरकारी अस्पतालों में बेड निर्धारित किए है। विभाग की तरफ से जरूरी तैयारियों को पूरा कर लिया गया है। विभाग की तरफ से जिले में निजी व सरकारी अस्तालों में करीब 1200 बेड निर्धारित किए गए है। वहीं विभाग की तरफ से महिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल खानपुर में सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे जा रहे है। वेरिएंट को लेकर अब तक जिले या प्रदेश में कोई केस नहीं मिलने की जानकारी विभाग की तरफ से मिली है। वहीं चिकित्सकों द्वारा ठंड से बचने के लिए जरूरी दिशा-निर्देश जारी किए गए है।

- महिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सैंपल जांच के लिए जा रहे भेजे, अब तक जिले में नहीं मिला कोई केस

बता दें कि देश के विभिन्न राज्यों में कोरोना के जेएन-1 वेरिएंट मामले को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। राहत की बात यह है कि सोनीपत जिला अभी कोरोना मुक्त है। हालांकि सर्दी में बढ़ी ठंड के चलते अस्पतालों में रोजाना काफी संख्या में खांसी, जुकाम व बुखार के मरीज पहुंच रहे है। इंफ्लूएंजा अक्सर ठंड लगने के साथ शुरू होता है, इसके बाद बुखार, मांसपेशियों में दर्द, सिरदर्द, गले में खराश, खांसी, बहती नाक और बीमार महसूस होता है। ऐसे मरीजों की पहचान करते विभाग की ओर से रोजाना सैंपल लिए जा रहे है। जिलेभर में रोजाना 18 से 20 मरीजों के ही नमूने लिए जा रहे है। इन नमूनों को जांच के लिए खानपुर कलां स्थित बीपीएस राजकीय महिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल में नमूनों को भेजा जा रहा है।

वहीं चिकित्सकों द्वारा अस्पताल में आ रहे खांसी, जुकाम व बुखार के मरीजों को नए वेरिएंट से बचाव के लिए सलाह दी जा रही है। जिन लोगों को पहले से कोई बीमारी है या रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर है, उनके लिए इस वायरस के संक्रमण से मुश्किल बढ़ सकती है। ऐसे में लोगों को इस मौसम में खांसी, जुकाम व बुखार से बचाव के लिए अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखना जरूरी है।

सोनीपत। नागरिक अस्पताल में रजिस्ट्रेशन काउंटर के बाहर लगी लाइन ।

सैंपलिंग की संख्या बढ़ाई जाएगी

जेएन- 1 वेरिएंट से निपटने के लिए विभाग ने अलर्ट जारी कर दिया है। मुख्यालय से मिले निर्देश के बाद रोजाना 5 फीसदी नमूने लिए जा रहे है। सैंपलिंग की संख्या जल्द बढ़ाई जाएगी। साथ ही सभी सरकारी व निजी अस्पताल संचालकों को आइसोलेशन वार्ड तैयार करने को पत्र लिखा गया था। विभाग के दिशा-निर्देशों पर जरूरी तैयारियों को पूरा कर लिया गया है। जिले में अब तक कोई केस नहीं मिला है। विभाग की तरफ से सभी तैयारियां पूरी है।

डा. स्वराज चौधरी, उप सिविल सर्जन व जिला नोडल अधिकारी।

1200 बेड किए निर्धारित

विभाग की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार जिले में कोई ऐसा मरीज सामने नहीं आया है। हर रोज करीब 20 सैंपल जांच के लिए भेजे जा रहे है। विभाग के दिशा-निर्देशों पर प्राइवेट, सरकारी अस्पताल, सीएचसी व पीएचसी पर बेड निर्धारित कि गए है। जिनमें करीब 800 बेड आक्सीजन, 360 बेड आईसीयू व 134 बेड वैंटिलैटर के तैयार है।

मरीजों की संख्या बढ़ी

नागरिक अस्पताल सोनीपत में हर रोज रजिस्ट्रेशन की संख्या करीब 1200 होती है। वहीं ठंड बढ़ने के कारण बच्चे व बड़ों को खांसी, जुकाम सहित बुखार आने लगा है। जिसके चलते अस्पताल में रजिस्ट्रेशन कांउटर पर मरीजों की संख्या करीब 1500 तक पहुंच रही है। वहीं ओपीडी में मरीजों की भीड़ देखने को मिल है।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपित गिरफ्तार

सोनीपत। सिविल लाइन थाना पुलिस ने नाबालिग लड़की को भगाकर ले जाने व उसके साथ दुष्कर्म करने की वारदात में शामिल आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित साहिल निवासी ईदगाह कॉलोनी का है। पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश किया। जहां से उसे एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है। एक महिला ने गत 12 दिसंबर को पुलिस से शिकायत देकर बताया था कि उसकी नाबालिग लड़की गत 11 दिंसबर को घर से बाहर सामान लेने के लिए गई थी। वह वापिस नहीं लौटी। अपने स्तर पर उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग हाथ नहीं लग पाया। मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया था। जांच अधिकारी उप निरीक्षक राकेश की टीम ने किशोरी को बरामद करके उसके बयान दर्ज करवाएं। मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित का अदालत में पेश किया। जहां से उसे एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है।

घर से आभूषण व नकदी चोरी

गोहाना। शहर में रेलवे कालोनी में रहने वाले पति और पत्नी बाजार में खरीददारी के लिए गए थे। दंपती एक घंटे के बाद लौटा तो मकान का ताला टूटा हुआ था और सामान बिखरा हुआ था। चोर 50 हजार रुपये और आभूषण चोरी कर ले गए। शहर थाना गोहाना में मामला दर्ज किया गया।

रेलवे कालोनी के जितेश ने पुलिस को बताया कि वह अपनी पत्नी मोनिका के साथ बाजार में घरेलू सामान लेने गया था।

दिल्ली गृह विभाग के कर्मचारी को धमकी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

सदर थाना क्षेत्र के गांव बैंयापुर में ग्रामीण के घर के गेट पर मिले पत्र पर उन्हें मारने की धमकी दी गई है। दिल्ली गृह मंत्रालय में कार्यरत कर्मचारी ने जब पत्र देखा तो पुलिस को अवगत कराया। पत्र मिलने से एक दिन पहले उन्हें गेट के बाहर चटनी के दो पैकेट भी मिले थे। पुलिस ने धमकी देने का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हालांकि पुलिस इसे किसी बच्चे की शरारत होने से भी मना नहीं कर रही है। गांव बैंयापुर निवासी मंगतराम ने बताया है कि शुक्रवार सुबह उनके घर के बाहर एक पत्र मिला है। जिस पर लिखा मिला कि मंगत आज रात तू गया। उन्होंने बताया कि वीरवार को उनके घर के बाहर चटनी के दो पैकेट रखे मिले थे।

■ घर के गेट पर मिला धमकी भरा पत्र

...आज आखिरी बार

उन्हें वह किसी की शरारत लगी थी। अब दूसरे दिन मिले पत्र में चटनी का भी जिक्र किया गया है कि चटनी मस्त थी। साथ ही लिखा है कि आज आखिरी बार, मैं तुमको छोड़ कर जा रही है। पत्र के आधार पर मंगलराम ने मामले से पुलिस को अवगत कराया। पत्र के ऊपर हिंदी में लिखा है पढ़ना मत खतरा और उसके नीचे अंग्रेजी में डेंजर लिखा है। पुलिस ने धमकी देने का मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार पत्र किसी बच्चे का लिखा भी हो सकता है। उस पर लिखाई बच्चे की लग रही है। साथ ही यह किसी की शरारत भी हो सकती है।

मामले में केस दर्ज

घर के बाहर मिले पत्र में धमकी देने के आरोप की शिकायत मिली है। इस संबंध में विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। पत्र किसी बच्चे की शरारत भी हो सकती है। मामले में गहनता से जांच कर रहे है। जल्द मामले का पटाक्षेप कर दिया जायेगा।

एचसी प्रदीप कुमार, जांच अधिकारी

बड़ौली में मुख्यमंत्री उड़नदस्ते का छापा, 30 गैस सिलेंडर बरामद

पुलिस ने आरोपितों पर केस दर्ज किया, मामले की जांच शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

राई थाना क्षेत्र के गांव बड़ौली में मुख्यमंत्री उड़न दस्ते ने छापेमारी करके 30 घरेलू गैंस सिलेंडर बरामद किए है। जिसमें 16 सिलेंडर भरे हुए व दूसरी कंपनी के 12 भरे हुए सहित दो खाली सिलेंडर बरामद किए है। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

उप निरीक्षक अजय मलिक ने खाद्य आपूर्ति विभाग व जसमेर सिंह,एचसी राजेश ने बताया कि उन्हें सूचना मिली कि गांव बड़ौली में वार्ड नंबर-8 के पास दुकान के पीछे बने कमरे मे अवैध घरेलू सिलेंडर रखे हुए है। टीम ने छापेमारी करते हुए भारत गैंस कंपनी के भरे हुए 16 सिलेंडर व हिंदूस्तान कंपनी के 12 भरे हुए सिलेंडर सहित 2 खाली सिलेंडर बरामद किए। मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

सोनीपत। बरामद गैस सिलेंडरों के साथ सीएम फ्लाइंग की टीम।

घरेलू गैस सिलेंडर की कालाबाजारी

रिहायशी क्षेत्र में रखकर घरेलू गैस सिलेंडर की कालाबाजारी किए जाने की जानकारी मिली थी। जिस पर कार्रवाई करते हुए छापा डाला गया। टीम ने मौके से 30 सिलेंडर बरामद किए है। टीम मामले में गहनता से जांच करेगी।

-अजीत सिंह, डीएसपी, मुख्यमंत्री उड़नदस्ता

http://www.facebook.com/LittleAngelsSchoolSonepat/ www.littleangelsschool.in

Little Angels
SR. SEC. SCHOOL, SONIPAT
Co-Ed English Medium School (Affiliated to CBSE, New Delhi)
9215003624/3639/3640/3651 info@littleangelsschool.in

From holding hands....to rubbing shoulders in the corporate world....
You'll find Little Angels there for you...

Registration Already Open
for Class Nursery to IX for Session 2024-2025
Nursery : 3+Years | Prep I : 4+ Years | Prep II : 5+ Years
Prospectus can be collected from School Reception between 8.30 am & 1.00 pm (on all working days)
For online registration, login at the School website www.littleangelsschool.in & download the Registration Form.

Parenthood comes with its own apprehensions and curiosity. We often learn it by comparing our precious ones with others. Every child is unique and can't be compared and judged.
A panel of experts comprising Child Psychologist, Paediatrician, Therapist, Homeopath and Seasoned teachers specialised in early education is ready to be your friend and take you to the new journey on Tuesday, January 9, 2024.

For free registration to this session (for parents of children from 3 to 6 years) fill the Google form on the link shared or scan the QR code.
https://forms.gle/jH6nvLfXN2AyBR8v5

Registration also Opens for
Little Angels Inclusive School, Sonipat & for Provisional Admission to Class XI in all streams from Monday, January 8, 2024.

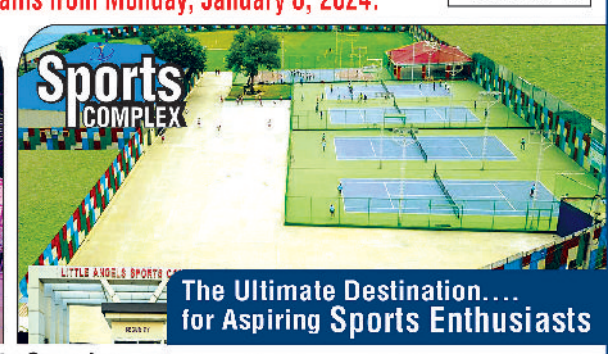

Newly furbished Angels Sports Complex, with enhanced facilities, meeting International Standards

Little Angels Family wishes 'Merry Christmas' & a 'Happy New Year' to All !

रोलर कोस्टर बाजार का तोड़ हैं मल्टी एसेट फंड

बिजनेस डेस्क

इन दिनों शेयर बाजार में अच्छे दिन नहीं चल रहे दिखते हैं। किसी दिन बाजार झूम जाता है तो किसी दिन बिकवाल हावी हो जाते हैं। शेयर बाजार की इस अस्थिरता से ज्यादातर निवेशक खुश नहीं होते हैं। हालांकि निवेशक चाहे तो इससे अपने इनवेस्टमेंट को एक तरह से शील्ड दे सकते हैं। ऐसी स्थिति से बचने का उपाय है एसेट क्लास में महत्वपूर्ण डायवर्सिफिकेशन। एसेट क्लास अपने खुद के चक्रों का पालन करते हैं, और उनके उतार-चढ़ाव की भविष्यवाणी करना कभी आसान नहीं होता है। लेकिन, मल्टी एसेट फंड के जरिए इस स्थिति से निबटने में ज्यादा आसानी होगी। हालांकि मल्टी एसेट फंड से भी सर्वोत्तम रिटर्न पाने के लिए इनवेस्टर्स को कुछ बातों को ध्यान में रखना जरूरी होता है। आज हम इन्हीं सावधानी की चर्चा कर रहे हैं।

ऐसे में क्या करें निवेशक

छोटे या रिटेल इनवेस्टर ऐसी स्थिति में डर जाते हैं। शेयर बाजार के जानकारों का कहना है कि ऐसे में निवेशकों को सीजन एसेट क्लास के फ्लेवर के झांसे में नहीं आना चाहिए। इसके बजाय अपने पोर्टफोलियो के लिए एक संतुलित एसेट एलोकेशन स्ट्रेटेजी का पालन करना चाहिए। यही वह जगह है जहां मल्टी एसेट म्यूचुअल फंड फिट बैठते हैं और निवेशकों के लिए सबसे अच्छा अवसर प्रदान करते हैं। यह देखते हुए कि इक्विटी बाजारों में सुधार जितना दिखता है उससे कहीं ज्यादा अच्छा हो सकता है।

सेबी का नियम क्या कहता है

बाजार के जानकारों का कहना है कि मल्टी एसेट फंड हाइब्रिड फंड हैं। सेबी के नियमों के मुताबिक, फंड हाउसों को अपने फंड का न्यूनतम 10% कम से कम तीन एसेट क्लास में निवेश करना होगा। इन तीन एसेट क्लास में घरेलू और इंटरनेशनल इक्विटी, डेट और कमोडिटी का मिला जुला क्लास हो सकता है। इस तरह की रणनीति के लिए सभी एसेट क्लास में निवेश की जरूरत होती है। बाजार की अस्थिरता के बावजूद इस निवेश को स्थिर रखा जाना चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान

जानकारों के मुताबिक मल्टी एसेट फंड से सर्वोत्तम रिटर्न पाने के लिए निवेशकों को इन 3 बातों को ध्यान में रखना चाहिए। इससे आपको नुकसान नहीं होगा और आप अच्छा मुनाफा बाजार के उतार-चढ़ाव के दौरान प्राप्त कर पाएंगे।

- पहला यह कि वह इस बात को सुनिश्चित करें कि फंड लेबल के अनुरूप है और एसेट आवंटन मिश्रण में बदलाव नहीं है। उदाहरण के तौर पर निप्पॉन इंडिया मल्टी एसेट फंड घरेलू और विदेशी इक्विटी, कमोडिटी और डेट में 50:20:15:15 के निवेश अनुपात को कभी नहीं बदला है।। इस तरह का अनुशासित निवेश दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि निवेशक हमेशा लाभ में रहें।
- दूसरा, ऐसा फंड चुनना चाहिए जिसका अंतरराष्ट्रीय इक्विटी में भी निवेश हो। उदाहरण के लिए निप्पॉन मल्टी एसेट फंड जो चार परिसंपत्ति वर्गों में निवेश करता है और कॉर्पस का 20% हिस्सा अंतरराष्ट्रीय इक्विटी में जाता है। सुंदरम, इनवेस्को और एक्सिस जैसे अन्य मल्टी एसेट फंड भी वैश्विक बाजारों में निवेश करते हैं।
- तीसरा-मल्टी एसेट फंड में निवेश करने का तीसरा फायदा निवेशकों को मिलने वाला इंडेक्सेशन का लाभ है। इंडेक्सेशन आपको फंड से ज्यादा प्राप्त करने में मदद करता है क्योंकि निवेश के मूल्य की गणना महंगाई जैसे कारकों को ध्यान में रखकर की जाती है और इससे आपको अधिक लाभ मिलता है।

एक साल में क्या रहा रिटर्न

पिछले एक साल में मल्टी एसेट फंड ने अच्छा रिटर्न दिया है। निप्पॉन इंडिया मल्टी एसेट फंड 15.72% रिटर्न के साथ सबसे आगे है। उसके बाद 13.85% के साथ मोतीलाल ओसवाल और 13.74% के साथ एचडीएफसी मल्टी एसेट फंड है। टाटा मल्टी एसेट फंड का रिटर्न इस दौरान 12.71% रहा है। मतलब कि सभी फंड हाउस ने 12 फीसदी से ज्यादा का ही रिटर्न दिया है।

इंडेक्स फंड्स भी दे सकते हैं फायदा, ध्यान से करें निवेश

- पिछले 1 साल में दिया 24% तक का रिटर्न
- निवेशक के लिए पंसद बनकर उभरे ये फंड
- एसआईपी के जरिये शुरू करें निवेश
- फिर धीरे-धीरे इसे बढ़ाते जाएं

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी इन दिनों म्यूचुअल फंड्स में निवेश करने का प्लान बना रहे हैं तो एक बार बाजार पर भी नजर डाल लें और सावधानी पूर्वक पूरी जानकारी जुटाकर और अपने रिस्क को ध्यान में रखकर निवेश की ओर कदम बढ़ाए। बाजार में आपको हर तरह के शेयर मिलेंगे, लेकिन आप ध्यान से एक बार सभी अध्ययन कर उतरेंगे तो आसानी मोटा मुनाफा कमा सकते हैं। इसलिए जब भी बाजार में उतरें, पहले अपने लक्ष्य तय करें और रिस्क को देखकर ही पैसे लगाएं। वरना आप फायदे की जगह नुकसान का भी सामना कर सकते हैं। बाजार के जानकारों की मानें तो इस समय निवेशकों के लिए इंडेक्स फंड अच्छा ऑप्शन हो सकता है। जो निवेशक म्यूचुअल फंड में निवेश करके कम से कम जोखिम के साथ अच्छा रिटर्न चाहते हैं, उनके लिए इंडेक्स फंड सबसे बढ़िया विकल्प माने जाते हैं, पिछले एक साल में इन फंडों ने 20 से 24 फीसदी तक का रिटर्न दिया है। इस कैटेगिरी के कई फंड्स ने बीते 1 साल में 21% से ज्यादा का रिटर्न दिया है। इसके अलावा एक्सपर्ट्स के अनुसार अगले 4 साल शेयर बाजार में सालाना 20% बढ़त देखने को मिल सकती है। ऐसे में निफ्टी 50 या सेंसेक्स 30 में भी अच्छी तेजी देखने को मिलेगी। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे इंडेक्स फंड के बारे में जो निवेशकों के लिए समय पहली पसंद साबित हो रहे हैं। इन दिनों इंडेक्स फंड में आप भी निवेश कर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं और खुद को आर्थिक रूप से समृद्ध बना सकते हैं।

इन फंड्स ने दिया बेहतर रिटर्न

फंड का नाम	1 साल	3 साल	5 साल
यूटीआई निफ्टी इंडेक्स फंड एक्सिस 50 निफ्टी	21.86%	18.17%	13.80%
नेक्स्ट 50 इंडेक्स आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल	21.75%	-	-
निफ्टी नेक्स्ट 50 इंडेक्स फंड	20.60%	17.70%	12.80%
एसबीआई निफ्टी इंडेक्स फंड	17.10%	16.60%	14.80%
आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल निफ्टी इंडेक्स फंड	17.20%	16.70%	15.10%

एक्सपेंस रेश्यो रहता है कम

इंडेक्स फंड में निवेश करने का खर्च अपेक्षाकृत कम होता है। बाजार के जानकारों का कहना है कि अन्य प्रत्यक्ष रूप से प्रबंधित म्युचुअल फंडों में जहां एसेट मैनेजमेंट कंपनी तकरीबन 2% तक शुल्क वसूलती हैं, वहीं इंडेक्स फंडों का शुल्क बहुत कम यानी कि तकरीबन 0.5% से 1 के बीच होता है। अस तरह से इंडेक्स फंड में एक्सपेंस रेश्यो कम रहता है जो एक तरह से निवेशक को लाभ ही देता है।

डाइवर्सिफिकेशन का मिलता है लाभ

इंडेक्स फंड से निवेशक अपना पोर्टफोलियो डाइवर्सिफाई कर सकते हैं। इससे नुकसान की संभावना घट जाती है। अगर एक कंपनी के शेयर में कमजोरी आती है तो दूसरे में ग्रोथ से नुकसान कवर हो जाता है। इसके अलावा इंडेक्स फंडों में ट्रैकिंग एरर कम होता है। इससे इंडेक्स को इमेज करने की एक्यूरेसी बढ़ जाती है। इस तरह रिटर्न का सटीक अनुमान लगाना आसान हो जाता है।

कितना देना होता है टैक्स?

12 महीने से कम समय में निवेश भुनाने पर इक्विटी फंड्स से कमाई पर शार्ट टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स लगता है। यह मौजूदा नियमों के हिसाब से कमाई पर 15% तक लगाया जाता है। अगर आपका निवेश 12 महीनों से ज्यादा के लिए है तो इसे लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स माना जाएगा और इस पर 10% ब्याज देना होगा। हालांकि अगर आपका एलटीसीजी 1 लाख से कम है तो आपको इस पर कोई टैक्स नहीं देना होता है।

किसके लिए सही हैं इंडेक्स फंड

इंडेक्स फंड उन निवेशकों के लिए सही हैं जो कम रिस्क के साथ शेयरों में निवेश करना चाहते हैं। इंडेक्स फंड ऐसे निवेशकों के लिए बेहतर है जो रिस्क कैलकुलेट करके चलना चाहते हैं, भले ही कम रिटर्न मिले। जानकारों का कहना है कि इन फंडों में भले ही आपको रिटर्न कम मिले, लेकिन आपका पैसा सुरक्षित रहता है और अच्छा लाभ भी मिलता है।

एसआईपी के जरिए निवेश करना सही

म्यूचुअल फंड में एक साथ पैसा लगाने के बजाए सिस्टमेंटिक इनवेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी के जरिए निवेश करना चाहिए। एसआईपी के जरिए आप हर महीने एक निश्चित अमाउंट इसमें लगाते हैं। इससे रिस्क और कम हो जाता है, क्योंकि इससे इस पर बाजार के उतार चढ़ाव का ज्यादा असर नहीं पड़ता।

■ बैलेंस्ड एडवांटेज फंड रिस्क को प्रभावी ढंग से मैनेज करने में सक्षम ■ ये फंड इक्विटी और डेट दोनों विकल्पों में लगाते हैं निवेशों के पैसे
■ रिटर्न को अधिकतम करने का लक्ष्य रखने वालों के लिए बेहतर विकल्प ■ निवेशकों के लिए कमाई का बढ़िया जरिया, निवेशकों के लिए आदर्श
■ शेयर बाजार बढ़त पर कर रहे मालामाल, सावधानी से बढ़ाएं कदम ■ कोई निवेश बिना जोखिम वाला नहीं होता, हर किसी के फायदे-नुकसान

कम रिस्क में भी ज्यादा रिटर्न दे सकते हैं बैलेंस्ड एडवांटेज फंड

बिजनेस डेस्क

इस समय शेयर बाजार में झमाझम पैसा बरस रहा है। लनगभग सभी कंपनियों के शेयर अच्छा मुनाफा दे रहे हैं, निवेशक मालामाल हो रहे हैं। ऐसे में हर कोई निवेश के लिए तैयार है, लेकिन आप थोड़ी सावधानी के साथ निवेश के लिए बाजार में उतरें तो आपको अच्छा मुनाफा मिल सकता है। इस समय म्यूचुअल फंड में निवेश करना बेहतर है। ये फंड आपको कम रिस्क में बेहतर रिटर्न दे सकते हैं और आप आसानी से मालामाल हो सकते हैं। म्यूचुअल फंड इनवेस्टर से लेकर विदेशी निवेशक तक इस समय सभी खुश हैं। वैसे भी म्यूचुअल फंड (एमएफ) के अधिकतर इनवेस्टर शेयर बाजार के इकोनोमिक्स को सही सही नहीं समझते हैं। तब भी वे बाजार की तेजी में हिस्सेदार बनते हैं। दरअसल, म्यूचुअल फंड निवेश बाजार की बात करें तो निवेशकों का प्राथमिक लक्ष्य अपने निवेश पर बेहतर रिटर्न हासिल करना है। लेकिन कुछ बातों पर ध्यान रखें तो वे म्यूचुअल फंड से भी अच्छी कमाई कर सकते हैं। म्यूचुअल फंड का बैलेंस्ड एडवांटेज फंड रिस्क को प्रभावी ढंग से मैनेज करते हुए अपने रिटर्न को अधिकतम करने का लक्ष्य रखने वालों के लिए एक बेहतर विकल्प प्रदान करते हैं। शेयर बाजार के बारे में कहा जाता है कि यहां कोई भी निवेश बिना जोखिम वाला नहीं है, हर निवेश के अपने-अपने फायदे और नुकसान हैं, लेकिन म्यूचुअल फंड का बैलेंस्ड एडवांटेज फंड रिस्क को प्रभावी ढंग से मैनेज करते हुए अपने रिटर्न को अधिकतम करने का लक्ष्य रखने वालों के लिए एक बेहतर विकल्प प्रदान करते हैं। इससे उन्हें महत्वाकांक्षी म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए एक आदर्श विकल्प बनाता है।

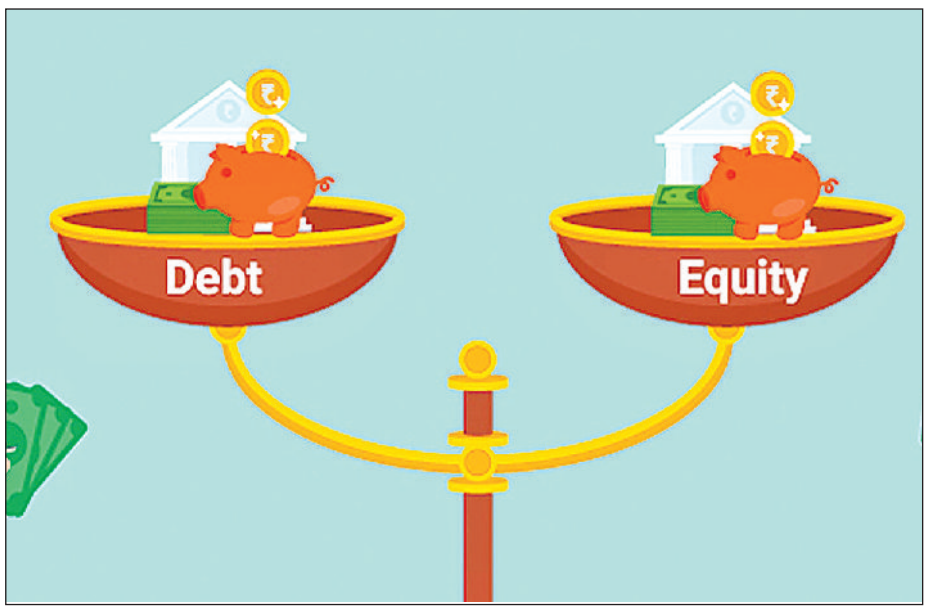

कम जोखिम और हाई रिटर्न

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड जोखिम और रिवार्ड के बीच एक संतुलन हासिल करने की अपनी क्षमता के लिए पॉपुलर होते हैं। ये फंड इक्विटी और डेट दोनों तरह के विकल्पों में रणनीतिक रूप से निवेश करते हैं। ये फंड डेट विकल्पों में निवेश के माध्यम से स्थिरता प्रदान करते हैं, जबकि इक्विटी में निवेश के जरिए पूंजी में तेज बढ़ोतरी की क्षमता प्रदान करते हैं। यही संतुलन बाजार की अस्थिरता के प्रभाव को कम करते हुए मजबूत रिटर्न प्राप्त करने का बेहतर तरीका है।

लंबी अवधि के निवेश लक्ष्य को पूरा करने वाला विकल्प

चाहे आपका लक्ष्य सेवानिवृत्ति के लिए फंड जुटाना हो, अपने बच्चे की शिक्षा के लिए फंड जुटाना हो, या कोई अन्य दीर्घकालिक उद्देश्य पूरे करने के लिए फंड जुटाना हो, बैलेंस्ड एडवांटेज फंड आपको उस लक्ष्य पूरा करने में मदद कर सकते हैं। उनका सक्रिय प्रबंधन और बेस्ट रिटर्न देने की क्षमता उन्हें महत्वाकांक्षी वित्तीय लक्ष्य बनाने वाले निवेशकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बनाती है।

यह है बैलेंस्ड एडवांटेज फंड

दरअसल यह म्यूचुअल फंड का एक ऐसा उत्पाद है, जो इक्विटी और डेट दोनों का मिला जुला होता है। बाजार की स्थितियों, ब्याज दरों और व्यापक आर्थिक परिस्थितियों के आधार पर इक्विटी और डेट के बीच बैफ में बदलाव होते रहता है। यह बाजार के हालात से निवेशकों का बचाव करता है. बाजार चाहे गिरा हुआ हो या नई ऊंचाइयों पर हो, नया संतुलन हो जाने से निवेशकों के लिए ये फंड जोखिम को कम कर देते हैं। जब बाजार को प्रभावित करने वाले कारकों में तेजी से बदलाव हो रहा हो, तब एक आम निवेशक के लिए उसके हिसाब से अपने पोर्टफोलियो को समायोजित करते रह पाना मुश्किल हो जाता है। जैसे मौजूद हालात को देखें तो दुनिया साल भर से ज्यादा समय से पूर्वी यूरोप में युद्ध की स्थिति से जूझ रही है। ग्लोबल इकोनॉमी के ऊपर मंदी का खतरा है। महंगाई और उसके कारण लगातार बढ़ते ब्याज दरों का दबाव है। ऐसे माहौल में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल बैलेंस्ड एडवांटेज जैसे फंड ने पिछले एक दशक से भी अधिक समय में इक्विटी या डेट में एंट्री-एक्जिट को अच्छे से मैनेज किया है। बैलेंस्ड एडवांटेज फंड की यह रणनीति होती है कि जब बाजार नीचे हो तो सस्ते में शेयर खरीदे जाएं और जब बाजार ऊपर हो तो उसे महंगे में बेचकर निकल जाएं। इससे निवेशकों को महंगे बाजारों के दौरान मुनाफा कमाने में मदद मिलती है। ध्यान देने वाली बात यह है कि इन फंडों का शुद्ध इक्विटी एक्सपोजर 30 फीसदी के स्तर तक नीचे जा सकता है, लेकिन आम तौर पर इक्विटी में निवेश 65 फीसदी और उससे अधिक पर बनाए रखा जाता है।

बेहतर विकल्प क्या हैं

बाजार के जानकारों का कहना है कि अगर आप ऐसे निवेश की तलाश कर रहे हैं जो जोखिम समायोजित (रिस्क एडजस्टेड) बेहतर रिटर्न की संभावना प्रदान करता है, तो बैलेंस्ड एडवांटेज फंड आपके लिए बेहतर विकल्प हो कसता है। इसके अलावा किसी और विकल्प के बारे में विचार न करें। बैलेंस्ड एडवांटेज फंड निवेश का एक ऐसा जरिया है, जिसमें जोखिमों को प्रभावी ढंग से मैनेज (प्रबंधित) करते हुए बेहतर रिटर्न प्रदान करने की क्षमता होती है। पिछले कई सालों से देखा भी जा रहा है कि बैलेंस्ड एडवांटेज फंड ने निवेशकों को कम रिस्क में बेहतर रिटर्न दिया है। इस योजना में निवेशक आराम से निवेश कर अपनी पूंजी को बढ़ा सकते हैं।

बेहतर रिटर्न के लिए डायनमिक अलोकेशन

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड की सबसे खास विशेषताओं में से एक उनका डायनमिक एसेट अलोकेशन है। कुशल फंड मैनेजर लगातार बाजार की स्थितियों पर अपनी नजर रखते हैं और इक्विटी व डेट के बीच फंड के आवंटन को उसी अनुसार समायोजित करते हैं। जब बाजार में तेजी होती है, तो वे इक्विटी में निवेश बढ़ाते हैं, और बाजार में गिरावट के दौरान, वे डेट इन्वेस्टमेंट के अवसरों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। यह सक्रिय प्रबंधन निवेशकों को अवसरों का लाभ उठाने और बाजार के चुनौतीपूर्ण चरणों से निपटने में मदद करता है, जिससे संभावित रूप से अधिकतम रिटर्न मिलता है।

दौलत बढ़ाने के लिए बेहतर प्रदर्शन

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड की पहचान लंबी अवधि में लगातार रिटर्न देने की उनकी क्षमता है। यह स्थिरता उन निवेशकों को आकर्षित कर रही है जो अपने रिटर्न में पूर्वानुमान के स्तर को बनाए रखते हुए अपनी संपत्ति में लगातार बढ़ोतरी करना चाहते हैं। फंड का स्थिर प्रदर्शन समय के साथ सर्वोत्तम रिटर्न हासिल होने की संभावना में योगदान देता है।

हायर नेट रिटर्न के लिए टैक्स दक्षता

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड को टैक्स बेनेफिट देने के लिए डिजाइन किया गया है। जब वे अपनी संपत्ति का 65% से अधिक इक्विटी में आवंटित करते हैं, तो इन पर इक्विटी फंड की तरह टैक्स लगता है। इसके परिणामस्वरूप टैक्स देनदारी कम हो सकती है, विशेष रूप से लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स के लिए, जिससे निवेशकों को अपने रिटर्न का एक बड़ा हिस्सा बनाए रखने की अनुमति मिलती है।

डायवर्सिफिकेशन को आसान बनाया गया

डाइवर्सिफिकेशन हासिल करना जटिल हो सकता है, लेकिन बैलेंस्ड एडवांटेज फंड इस प्रक्रिया को सरल बनाते हैं। इन फंडों में निवेश के जरिए आपका पोर्टफोलियो डायवर्सिफाइड हो जाता है, क्योंकि ये अलग अलग एसेट क्लास में निवेश करते हैं। इससे न सिर्फ जोखिम कम करने में मदद मिलती है, बल्कि कई सेक्टर और एसेट क्लास (परिसंपत्ति वर्गों) का लाभ उठाकर सर्वश्रेष्ठ रिटर्न की संभावना भी बढ़ाता है।

रिटायरमेंट प्लानिंग के लिए भी म्यूचुअल फंड पर बढ़ा भरोसा

बिजनेस डेस्क

रिटायरमेंट की बात करें तो कुछ साल पहले यह भारतीयों के फाइनेंशियल प्लानिंग में प्राथमिकता नहीं थी। इसकी बजाए बहुत से लोग अपने दूसरे लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्लानिंग करते थे, लेकिन अब ट्रेंड बदल रहा है। रिटायरमेंट भारतीयों के लिए अब तेज गति से वित्तीय प्राथमिकता बन रही है और ज्यादा से ज्यादा लोग अब अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग में इसे तरजीह दे रहे हैं। रिटायरमेंट को फाइनेंशियल प्लानिंग में ऊपर रखने के मामले में भारत 2023 के एक सर्वे के अनुसार दुनिया में छठे स्थान पर पहुंच गया है, जो 2020 में 8वें स्थान पर था। एक सर्वे में ये बातें सामने आई हैं। इस सर्वे के अनुसार पहले रिटायरमेंट मुख्य रूप से परिवार के दायित्वों को पूरा करने को लेकर जुड़ा था, लेकिन पिछले कुछ साल में, इसकी परिभाषा आत्म-सम्मान और खुद की पहचान की तलाश तक पहुंच गई है। यानी अब लोग रिटायरमेंट के बाद भी वर्किंग ईयर की तरह बेहतर लाइफ जीना चाहते हैं। आज, भारतीय अपनी जरूरतों या इच्छाओं से समझौता किए बिना अपने फाइनेंस पर नियंत्रण चाहते हैं, जिसके लिए बेहतर रिटायरमेंट प्लानिंग बहुत जरूरी है।

इन पहलुओं पर विचार

पॉजिटिव पहलू

पॉजिटिव पहलू यह है कि धन को अप्रत्याशित/अपेक्षित जरूरतों के प्रति 'सुरक्षा जाल' के रूप में माना जाता है। इसे अपनी फैमिली के प्रति अपने कमिटमेंट को पूरा करने के लिए 'सक्षम बनाने वाला' और सामाजिक सम्मान और गौरव चाहने वालों के लिए 'सक्षम होने का प्रतीक' माना जाता है। महामारी के बाद, यह 'स्वतंत्रता की तलाश' के नए आकार में विकसित हुआ है—यानी अपनी लाइफ स्टाइल और जरूरतों से समझौता किए बिना जिम्मेदारियों को पूरा करना। इन जरूरतों और जिम्मेदारियों में बड़ा घर बनाना, बच्चों के लिए क्वालिटी एजुकेशन से लेकर फैशन, तकनीक, साज-सज्जा विकल्पों, छुट्टियों आदि के माध्यम से लाइफ स्टाइल को बेहतर बनाना शामिल है।

निगेटिव पहलू

निगेटिव पहलू यह है कि पैसा बनाने और उसे मैनेज करने को लेकर लोगों के कमिटमेंट और जिम्मेदारियों को पूरा करने की क्षमता पर सीधा प्रभाव पड़ता है। निगेटिव पहलू में, अगर कोई विशेषज्ञता की कमी या बढ़ते फाइनेंशियल डिजिटल वर्ल्ड को अपनाने में असमर्थता/देरी होने के कारण अपने पैसे को अच्छी तरह से मैनेज करने में असमर्थ है—तो इससे सामाजिक शर्मिंदगी, कम आत्मसम्मान और/या कमी की भावना पैदा हो सकती है।

भारतीय निवेशक फिक्स्ड इनकम और बीमा को दे रहे प्राथमिकता, ईटीएफ की तुलना में एमएफ आकर्षण बढ़ा

- व्यक्तिगत आय में बढ़ोतरी के साथ लोगों की आय में से कर्ज और देनदारियों के लिए अलोकेशन बढ़ रहा है। भारतीय अपने धन का 59 फीसदी घरेलू खर्चों के लिए और 18 फीसदी लोन चुकाने के लिए रख रहे हैं, जो 2020 के मुकाबले ज्यादा है।
- लोगों द्वारा पूंजी के निर्माण की दिशा में एक प्रयास किया जा रहा है, जहां कुल आय का 5 फीसदी स्किल डेवलपमेंट या एजुकेशन लोन के लिए अलोकेट किया जाता है।
- 48 फीसदी ने बताया कि महामारी के कारण सोच, व्यवहार और वित्तीय योजना में बदलाव आया। -भारतीय वित्तीय रूप से अधिक जागरूक, योजना बनाने वाले और अनुशासित हो गए हैं।
- अब कम आय के साथ, अधिक रिटर्न जेनरेट करने और वित्तीय रूप से सुरक्षित रहने पर अधिक ध्यान है। जैसे-जैसे आय बढ़ रही है, लोगों की प्राथमिकता अपने वर्तमान वर्किंग प्लेस में उच्च पद तक पहुंचना और पैसिव इनकम के सोर्स विकसित करने जैसे अन्य पहलुओं को दी जा रही है।

- पहचान' और 'आत्म-सम्मान' अब केवल भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को पूरा करने तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि खुद की देखभाल करना और जानने तक भी बढ़ रहा है।
- महामारी के बाद, भारतीयों ने पारिवारिक सुरक्षा के अलावा, मेडिकल इमरजेंसी और रिटायरमेंट योजना जैसी लंबी अवधि के लक्ष्य पर अधिक जोर देना शुरू कर दिया है।
- महामारी के बाद फाइनेंस मैनेजमेंट से संबंधित 'आय के वैकल्पिक सोर्स की कमी' के बारे में चिंता करने वालों की संख्या साल 2020 में 8% से बढ़कर 2023 में 38% तक पहुंच गई है।
- महामारी के बाद, 'महंगाई' व 'आर्थिक मंदी' रिटायरमेंट के बाद फाइनेंस मैनेजमेंट से संबंधित चिंताओं की टॉप लिस्ट में आ गए।
- करीब 67 फीसदी भारतीयों का कहना है कि वे रिटायरमेंट के लिए तैयार हैं, जिससे उन्हें काम और जीवन के बारे में पॉजिटिव सोच मिलती है, जिन लोगों ने अपनी रिटायरमेंट की योजना बनाई है, वे आमतौर पर इसे 33 साल की उम्र के आसपास शुरू करते हैं और जिन्होंने नहीं किया है, वे 50 की उम्र में शुरू करने का इरादा रखते हैं।
- 2020 में 10% की तुलना में 2023 में 23% लोगों को सीधे इक्विटी/शेयर और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) की तुलना में म्यूचुअल फंड ज्यादा आकर्षक दिख रहा है। सर्वे के अनुसार भारतीय निवेशक अभी भी फिक्स्ड इनकम विकल्पों और बीमा को प्राथमिकता देते हैं।
- बदल रही लाइफ स्टाइल और मैक्रो-इकोनॉमिक स्थितियों के साथ, भारतीयों को लगता है कि उन्हें अपने रिटायरमेंट फंड बनाने के लिए अपनी सालाना आय का 10-12 गुना चाहिए, जो 2020 के सर्वेक्षण में 8-9 गुना था।

वित्तीय सुरक्षा को लेकर सजग

आय का वैकल्पिक सोर्स होने से रिटायरमेंट के लिए तैयारी की भावना काफी बढ़ जाती है। सर्वे में भाग लेने वाले 36 फीसदी में से जिनके पास वैकल्पिक आय के सोर्स हैं, उनमें से 42 फीसदी ऐसे हैं, जिन्हें फाइनेंशियल एसेट्स में निवेश से अतिरिक्त आय होती है। अब हर कोई अपनी वित्तीय सुरक्षा को लेकर पूरी तरह से सजग है। जिनके पास रिटायरमेंट योजना है, उनमें से सिर्फ 10 फीसदी ही रजिस्टर्ड इन्वेस्टमेंट एडवाइजर से उचित फाइनेंशियल प्लानिंग को लेकर सेवाएं चाहते हैं।

खबर संक्षेप

गोहाना में भी होगा श्री राम प्राण प्रतिष्ठा उत्सव

गोहाना। 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा उत्सव की तर्ज पर उसी दिन समान उत्सव गोहाना में भी होगा। इस के लिए अयोध्या से अक्षत दीपक आएंगे जिन्हें गोहाना के हर घर में पहुंचाया जाएगा। उत्सव के दिन हर घर में दीपक जलेंगे तथा हर मंदिर में कीर्तन होगा। शनिवार को यह संकल्प गोहाना की श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा उत्सव कमेटी के गठन के अवसर पर किया गया।

रोलर स्केटिंग में नालंदा स्कूल ओवरऑल विजेता

गोहाना। गोहाना-जींद मार्ग स्थित नालंदा इंटरनेशनल स्कूल जिला स्तरीय रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता में ओवरआल विजेता बना। शनिवार को पदक विजेता विद्यार्थियों को स्कूल की एमडी रीना मलिक और प्राचार्य वीरेंद्र मलिक ने सम्मानित किया। सोनीपत के सेक्टर 23 में जिला स्तरीय रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई।

क्राइम सीन फोटोग्राफी पर कार्यशाला आयोजित

गोहाना। शनिवार को थाना सदर गोहाना में क्राइम सीन फोटोग्राफी पर कार्यशाला आयोजित की गई। एसीपी नरेंद्र सिंह समेत सभी थानों के प्रभारियों समेत 71 प्रतिभागियों ने भाग लिया। एफएसएल के वरिष्ठ अधिकारी डा. कृष्ण ने टीम के साथ फोटोग्राफी का घटनास्थल पर या संगीन मामलों में भौतिक साक्ष्यों का सुरक्षित रखने के महत्व को समझाते ऐसे फोटोग्राफी करने के तरीके बताए।

विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी के टिप्स बताए

गोहाना। गोहाना-महम मार्ग पर गांव मदीना में स्थित डीबीएम पब्लिक स्कूल में आयोजित गणित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के बाद विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी के टिप्स भी दिए गए। प्रतियोगिता के लिए नेतृत्व स्कूल के एमडी विकास मलिक का रहा। अध्यक्षता प्राचार्या पूजा राणा ने की। अनिल रोहिल्ला, प्रवीन कुकरेजा, सुरेंद्र मालिक, निशिता खन्ना, श्याम सैनी, विक्की सिहान, प्रीति गिल का योगदान रहा।

छात्रों के लिए फ्री करियर काउंसलिंग

सोनीपत। दी महाराजा अग्रसेन समाज कल्याण समिति सोनीपत ने छात्रों की जरूरत को देखते अग्रसेन भवन सेक्टर 14 सोनीपत में हर रविवार शाम 3 बजे से शाम 5 बजे तक मुफ्त काउंसलिंग का अभियान शुरू किया है। जिसके तहत 24 दिसम्बर को भी शिविर लगेगा। समिति के उपप्रधान संजय सिंगला ने बताया कि अगर किसी भी विद्यार्थी को अपनी शिक्षा, एडमिशन या करियर से संबंधित कोई भी कन्फुजन है।

ऑलंपियाड में परीधि गर्वित ने जीते पदक

खरखौदा। सांपला रोड स्थित हेरिटेज वर्ल्ड इंटरनेशनल स्कूल में कक्षा-तीन की परीधि, गर्वित और रेवांश को तथा कक्षा-पाँच की मानसी , कक्षा सात से देव को स्वर्ण पदक के साथ व ५० विद्यार्थियों को रजत पदक और कांस्य से पुरस्कृत किया गया। विद्यार्थियों को पदक के साथ-साथ प्रशस्ती पत्र भी वितरीत किए गए।

क्रिसमस-डे सेलिब्रेशन में बच्चों ने मोहा मन

खरखौदा। रोहतक रोड पर स्थित बिरला इंटरनेशनल स्कूल में क्रिसमस डे सेलिब्रेशन मनाया गया। विद्यालय प्रबंधक कुलदीप दहिया तथा प्राचार्य दिनेश शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। मंच संचालन अध्यापिका सोनम ने किया। नर्सरी के बच्चों ने अपने नृत्य से दर्शकों का मन मोह लिया। चौथी कक्षा के बच्चों ने मधुर संगीत और गीत से श्रोताओं को मंत्र मुक्त कर दिया।

गीता पाठ व गायत्री मंत्र का उच्चारण किया

सोनीपत। एटलस रोड स्थित कार्यालय में पूर्व विधायक देवराज दीवान के सुपुत्र एवं दीवान चेरीटेबल ट्रस्ट के चैयरमेन कमल दीवान द्वारा गीता पाठ का आयोजन करवाया । जहां पर कार्यकर्ताओं ने मिलकर गीता पाठ एवं गायत्री मंत्र का उच्चारण किया। सुरेश भारद्वाज, ललित दीवान, अशोक छाबड़ा, अशोक अरोड़ा, अशोक शर्मा, मूलचंद डाबरा मौजूद रहे।

ब्राइट स्कॉलर सीनियर सैकेंडरी स्कूल में बेबी शो का आयोजन

फैंसी ड्रेस में मेहर, डांस में आद्वय छवि- शार्वी ने पाया पहला स्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

ब्राइट स्कॉलर सीनियर सैकेंडरी स्कूल में बेबी शो का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरंभ स्कूल प्राचार्या किरण दलाल ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। इस अवसर पर स्कूल को विभिन्न रंगों के फूलों और गुब्बारों से सजाया गया। निर्णायक मंडल की भूमिका में गीता (द पायनियर्स स्कूल), सोनिया (विद्यार्थी जूनियर स्कूल), नेहा आर्या (द पाम्स ग्लोबल स्कूल), प्रिया मनचंदा (मोम तो मोम प्ले स्कूल), सुरभि (ब्रांच हेड-मदर प्राइड स्कूल) उपस्थित रही। प्राचार्या ने सभी का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। कार्यक्रम में नन्हे-नन्हे बच्चों के भाग लिया। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बेहतर प्रस्तुति दी। बच्चे आकर्षक पोशाकों में सज-धज कर मंच पर आए। बच्चों ने हरियाणवी समूह व एकल लोक नृत्य सहित अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रस्तुति दी और अभिभावकों ने भी विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़ कर भाग लिया। इस दौरान फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में मेहर, डांस ग्रुप वन में आद्वय, डांस ग्रुप 2 में छवि व शार्वी, श्लोक/कविता गायन में भूमि, सांग/भजन/श्लोक श्रेणी 2 में हार्दिक, रूतवी, अमायरा प्रथम रहे। कार्यक्रम में स्कूल ऐकडेमिक डायरेक्टर सीएम विज व डायरेक्टर ऑपरेशन्स डॉ. गौरव भी उपस्थित रहे। स्कूल प्राचार्या ने सभी बच्चों और अभिभावकों की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

नन्हे-मुन्ने बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बेहतर प्रस्तुति दी

सोनीपत। बेबी शो में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते बच्चे। *फोटो : हरिभूमि*

सोनीपत। कार्यक्रम में पहुंचीं अतिथियों का स्वागत करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

कनिष्ठ वर्ग में नैन्सी, वरिष्ठ वर्ग में गरिमा प्रथम

सोनीपत। स्वामी दयानन्द प्रतिनिधि समिति के तत्वावधान में समिति प्रधान अर्जुन देव दुरेजा की अध्यक्षता तथा आर्य जगत के उच्चतम कोटि के विद्वान आचार्य संदीप दर्शनाचार्य मुख्य वैदिक प्रवक्ता के नेतृत्व में आर्य समाज मॉडल टाउन सोनीपत के प्रांगण में स्वामी श्रद्धानंद बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में छात्र/छात्राओं की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शकुंतला देवी आर्या के विशिष्ट सहयोग से शनिवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 02 बजे तक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मंच का कुशल संचालन हरिचंद स्नेही ने किया। कार्यक्रम में मास्टर लक्ष्मी दास आर्य की पुण्य स्मृति में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिये एक प्रतियोगिता भी रखी गई है। वरिष्ठ और कनिष्ठ विद्यालय के विद्यार्थियों ने विषय संबंधी विचार प्रस्तुत किए। निर्णायक मंडल ने कनिष्ठ वर्ग से सरस्वती वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मुरथल रोड की छात्रा नैन्सी, वरिष्ठ वर्ग से बीएम दयानन्द विद्यालय मॉडल टाऊन की छात्रा गरिमा प्रथम रही। इस अवसर पर मुख्य अतिथि शकुन्तला आर्या को शाल ओढ़ाकर कर तथा छात्राओं और विद्यालयों को स्मृति चिन्ह ट्रॉफी भेंट करके सम्मानित किया। महेश जुनेजा, रविन्द्र आर्य, दीपक तलवार, आचार्य सतन देव सत्यम, महात्मा वेदमुनि, हरिचंद स्नेही आदि मौजूद रहे।

रोल मॉडल कार्यक्रम में लड़कियों को प्रेरित किया

सोनीपत। आज राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गढ़ी ब्राह्मणान में रोल मॉडल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ. पिंकी खत्री मुख्य अतिथि रही। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य अतुल कुमार ने बताया कि आज लड़कियां हर क्षेत्र में लड़कों से आगे काम कर रही है। हमारे देश की राष्ट्रपति ही एक महिला है और सभी लड़कियों को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए और जिस भी क्षेत्र में लड़की अपना करिअर बनाना चाहती है तो मां बाप को भी उसे प्रेरणा देकर आगे बढ़ाने के लिए कहना चाहिए। डॉ. पिंकी ने अपने जीवन के बारे में विस्तार से बताया। विद्यालय की बोर्ड टॉपर लड़कियों, आंगनबाड़ी वर्कर, हेल्थ वर्कर ने भी अपने जीवन के बारे में बताया। मंच संचालन डॉ. सुमन लता ने किया। विद्यालय प्राचार्य अतुल कुमार ने सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में रेखा आर्य, सुमन, सीमा दहिया, डॉ. सुमन लता, मीना आदि सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद था।

सोनीपत। प्रतियोगिता के दौरान हिस्सा लेते प्रतिभागी विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

टग ऑफ वॉर में गैलीली हाउस ने मारी बाजी

- दिल्ली विद्यापीठ में आयोजित वार्षिक खेल समारोह संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

दिल्ली विद्यापीठ में आयोजित वार्षिक खेल समारोह के समापन दिवस का मुख्य आकर्षण बने रिले और बलून बर्स्टिंग रेस, टग ऑफ वॉर में गैलीली हाउस ने बाजी मारी। देवडू रोड स्थित दिल्ली विद्यापीठ में आयोजित वार्षिक खेल समारोह के अंतिम दिन बच्चों के अभिभावको ने भी खेलो में जोश से भाग लिया। आज के मुख्य आकर्षण रिले रेस, बलून बर्स्टिंग एवं टग ऑफ वॉर रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रघुनंदन व्यास (प्रधान श्रीश्री बालाजी सेवा समिति) ने अन्य अतिथियों पवन जिंदल, आनंद प्रकाश, सीबी राय, एमएस बंसल (सदस्य बालाजी समिति), राजेंद्र कुमार (कैशियर बालाजी समिति) स्कूल संचालक वीर सिंह सैनी तथा प्रधानाचार्या अराधना ग्रोवर तथा अध्यापक वर्ग की उपस्थिति में सभी बच्चो को संबोधित करते हुए कहा कि खेल हमारे जीवन का अंतरंग हिस्सा है। छोटा बच्चा हो या बड़ा बुजुर्ग, खेल सभी में उमंग और जोश जगा देते है।

विभिन्न प्रतियोगिताओं में शामिल ब्रिंजल पीसिंर्ग रेस में सतरूपा, भूमिका, मेंटल मैथ्स रेस में अभिजीत, छवि आशीष, रिले रेस में जिया, छवि, अंशिका, दिशा ने पहला स्थान प्राप्त किया। अभिभावकों में से नारी शक्ति का प्रदर्शन करते हुए सोनम, शोभा, एवम मोनिका प्रथम रही। सभी खेल प्रतियोगिताओं के बाद सभी विजेताओं को मुख्य अतिथि ने पुरस्कृत किया। विद्यालय संचालक वीर सिंह सैनी ने सभी अतिथियों का विद्यालय में आगमन के लिए विद्यालय का स्मृति चिन्ह प्रदान करके धन्यवाद दिया और सभी विद्यार्थियों और अध्यापकों को खेल समारोह के सफल समापन पर बधाई दी।

तीन स्कूलों के 400 छात्रों ने लिया भाग

- अष्टादश श्लोक उच्चारण का कार्यक्रम सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के अंतर्गत अष्टादश श्लोक उच्चारण के ऑनलाइन कार्यक्रम का समापन हो गया। जिसमें खंड खरखौदा से राजकीय कन्या वमावि खरखौदा, राजकीय कन्या वमावि खांडा, राजकीय वमावि खांडा, कल्पना चावला विद्यापीठ, शंभू दयाल सीनियर सेकेंडरी स्कूल खांडा, करण सिंह मेमोरियल स्कूल खांडा तथा प्रताप सिंह मेमोरियल स्कूल खरखौदा के 900 छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम की तैयारी लगभग एक सप्ताह से चल रही थी। जिसमें छात्रों ने प्रतिदिन अष्टादश श्लोकों का उच्चारण किया। कुरुक्षेत्र से मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने स्वयं इस कार्यक्रम का ऑनलाइन अवलोकन किया और छात्रों के नाम संदेश दिया और श्रीमद्भगवत गीता के उपदेशों की महत्ता पर प्रकाश डाला।

खंड खरखौदा में कार्यक्रम के आयोजन के लिए राजकीय कन्या वमावि खरखौदा तथा शंभू दयाल सीनियर सेकेंडरी स्कूल खांडा को केंद्र बनाया था। राजकीय कन्या वमावि खरखौदा में कल्पना चावला विद्यापीठ खरखौदा तथा प्रताप सिंह मेमोरियल स्कूल खरखौदा के छात्र एकत्र हुए। इस केंद्र पर तीनों विद्यालयों के 400 छात्रों ने भाग लिया। खंड शिक्षा अधिकारी सुजाता खत्री तथा खंड संसाधन समन्वयक खरखौदा कुलदीप सिंह सांगवान ने सभी को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

खरखौदा। कार्यक्रम में भाग लेते विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

जजपा ने अनेकों नीतियां लागू कीः धूप सिंह

सोनीपत। पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में जन नायक जनता पार्टी के जिला स्तरीयकार्यकर्ता मीटिंग का आयोजन किया । कार्यकर्ता मीटिंग में जजपा के कर्मचारी व मजदूर प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष संजीव मंडोला ने मुख्यातिथि व प्रदेश प्रभारी धूप सिंह माजरा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की और मीटिंग की अध्यक्षता जजपा के जिला अध्यक्ष पूर्व चेयरमैन राज सिंह दहिया ने की। इस दौरान मीटिंग में संजीव मंडोला ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के प्रयासों से हुए जन हित के कार्यों से समाज के हर वर्ग के व्यक्ति को अवगत करवाने की अपील की। उन्होंने कहा कि गठबंधन सरकार ने जनता की सोच के अनुरूप हरियाणा प्रदेश के विकास और उन्नति के लिए किसान, मजदूर, कर्मचारी, महिला, छात्र व अन्य सभी वर्गों का ख्याल रखते हुए अनेकों जन कल्याणकारी नीतियों को लागू किया है।

प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन

- विजेताओं को मेडल व स्टेशनरी का सामान देकर सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

थाना कलां गांव के ब्रह्म शक्ति स्कूल में समाजसेवी गजे सिंह एडवोकेट व रोहित राठौर द्वारा प्रतिभा खोज प्रतियोगिता करवाई गई। यह प्रतियोगिता कक्षा 5 से 12वीं कक्षा तक के बीच कराई गई। जिन प्रतिभागियों ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया, उन्हें मेडल व स्टेशनरी का सामान देकर सम्मानित किया गया। एडवोकेट गजे सिंह व प्राचार्य रामबीर सिंह, उपप्राचार्य प्रवीण कुमार व समाज सेवी रोहित राठौर ने बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर वेदपाल, रामकुमार, राजवीर, तारीफ सिंह, संजय, नवीन, मास्टर मनोज कुमार, संजय शर्मा व अन्य मौजूद रहे।

खरखौदा। विद्यार्थियों को स्टेशनरी व मेडल देकर सम्मानित करते समाजसेवी गजे सिंह एडवोकेट। *फोटो : हरिभूमि*

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को जानकारी देते वक्ता। *फोटो : हरिभूमि*

गीता जयंती पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

सोनीपत। छात्रों के शैक्षिक व बौद्धिक स्तर को उत्कृष्ट करने के लिए सरस्वती शिक्षा संस्थान सीनियर सेकेंडरी स्कूल सोनीपत (एस-7) के प्रांगण में आज गीता जयंती के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। छात्रों ने संपूर्ण गीता पाठ, कविताएं, कहानियां, भाषण आदि को बहुत सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया। सभी उपस्थितजन कार्यक्रम देखकर भाव विभोर होकर तालियाँ बजा रहे थे। प्राचार्य ने छात्रों को श्री कृष्ण की तरह कर्म करने की प्रेरणा दी। रोटरी क्लब के प्रेसिडेंट निखिल चुघ, डॉ. मंजीत कौर, सेक्रेटरी पुनीत जग्गा, सीए राहुल, रैनी रिम्पी को क्रमशः फूल माला तथा बुके प्रदान किए गए। रोटरी क्लब के सभी महान वक्ताओं ने क्रमशः जीवन में आर्थिक स्तर को ऊंचा करने अपनी अपनी इच्छाओं की पूर्ति हेतु धन संचय करके उसका व्यय उचित प्रकार से कैसे करें? जीवन को उत्कृष्ट ढंग से चलाने के लिए हम किस प्रकार धन अर्जित कर सकते है।

पदक विजेताओं का सम्मान

- स्टेट आइसलैस फ्लोर कर्लिंग में खिलाड़ियों ने जीते 4 स्वर्ण पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

हरियाणा स्टेट आइसलैस फ्लोर कर्लिंग चैम्पियनशिप पलवल में आयोजित हुई। जिसमें प्रताप स्कूल खरखौदा के खिलाड़ी तन्मय, भवनिश, विशेष व मनन ने स्वर्ण पदक जीतकर सोनीपत जिले व अपने स्कूल का नाम रोशन किया। इस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने वाले सभी खिलाड़ियों का चयन नेशनल कर्लिंग चैम्पियनशिप के लिए हुआ है, जो जम्मू कश्मीर में जनवरी 2024 में आयोजित होगी। स्केटिंग कोच सुमनलता ने बताया कि तन्मय इससे पहले भी नेशनल चैम्पियनशिप में पदक प्राप्त कर प्रदेश का नाम रोशन कर चुका है। विजेता खिलाड़ियों का विद्यालय प्रांगण में द्रोणाचार्य अवार्डी ओमप्रकाश दहिया, प्राचार्या दया दहिया, एकेडमिक डायरेक्टर डॉ सुबोध दहिया व स्केटिंग कोच सुमनलता ने स्वागत किया। द्रोणाचार्य अवार्डी ओमप्रकाश दहिया खेल निदेशक प्रताप स्कूल ने बताया कि प्रताप स्कूल में 26 प्रकार के खेलों का अभ्यास एनआइएस प्रशिक्षित प्रशिक्षकों द्वारा करवाया जाता है। खेलों को बढ़ावा देने के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा खेलो इंडिया सैंटर व हरियाणा खेल विभाग द्वारा 7 खेल नर्सरियाँ स्थापित की गई हैं।

खरखौदा। विजेता खिलाड़ियों का स्वागत करते स्कूल प्रबंधन। *फोटो : हरिभूमि*

गोहाना। समूह लोक नृत्य में अपनी प्रतिभा दिखाते विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

समूहगान में विद्यार्थियों ने दिखाई कला प्रतिभा

गोहाना। गोहाना-खानपुर कलां मार्ग पर स्थित ग्लोबल पब्लिक स्कूल में शनिवार को आयोजित समूहगान की प्रतियोगिता में विश्वास सदन और निश्चय सदन संयुक्त रूप से प्रथम रहे। प्रयास सदन द्वितीय रहा तो तृतीय स्थान पर संकल्प सदन रहा। अध्यक्षता स्कूल के एम.डी. पंकज जाले ने की तथा संयोजन प्राचार्या प्रीति शर्मा ने किया। समूहगान प्रतियोगिता में विश्वास सदन और प्रयास सदन विजेता बने। द्वितीय स्थान पर निश्चय सदन तथा तृतीय स्थान पर संकल्प सदन रहे। विजेता और उप विजेता सदनों को एम.डी. पंकज जाले ने सम्मानित किया। प्राचार्या ने कहा कि बच्चों की प्रतिभाओं को नई धार देने तथा उसे निखारने के लिए स्कूल नियमित रूप से प्रतियोगिताएं आयोजित कर रहा है।

जाट धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम को किया संबोधित

ईमानदारी के प्रतीक थे चौ.चरण सिंहः ताराचंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

भूतपूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की 121 वीं जयंती पर अखिल भारतीय जाट महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ताराचंद मोर ने उन्हें किसानो और कामगारों का मसीहा बताया। मोर दिल्ली स्थित उनकी समाधि स्थल किसान घाट पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद जाट धर्मशाला में जाट समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। ताराचंद मोर ने कहा कि एक साधारण किसान परिवार में जन्मे चौधरी चरण सिंह कड़ी मेहनत, ईमानदारी व कर्तव्यनिष्ठा के बल पर प्रधानमंत्री की कुर्सी तक जा पहुंचे। अपने राजनितिक जीवन में चौधरी साहब ने हमेशा गांधी जी के आदर्शों पर चलकर सच्चाई और ईमानदारी से कार्य किया। उनके विरोधी भी ईमानदारी के बारे में उनका बहुत आदर करते थे। जब चौधरी साहब उप-प्रधानमंत्री व वित मंत्री थे, तब उन्होंने किसान बजट के नाम से बजट पास करवाया, जिसमें किसानों और कामगारों को बहुत राहत दी गई। लोग आज भी उस किसान बजट को याद करते है। ताराचंद मोर ने कहा कि चौधरी साहब ने इकोनामिक नाइटमेयर आफ इंडिया इटस कोजेज एंड क्योर नाम से पुस्तक लिखी, जो कि पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। कई शोध छात्र इस पुस्तक को आधार मानकर अपना शोध पत्र तैयार करते है। इसके अलावा उन्होंने शिष्टाचार नामक पुस्तक लिखी, जो युवा वर्ग के लिए बहुत उपयोगी है। चौधरी चरण सिंह एक शिक्षित और अनुशासित नेता थे, जब भी वह सत्ता में रहे, उनके अधीनस्थ भी चौकन्ने होकर काम करते थे। चौधरी साहब भारत को सर्वश्रेष्ठ देश बनाना चाहते थे। आज युवा वर्ग को चौधरी चरण सिंह जी के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए और उनके आदर्शों पर चलकर देशसेवा में लग जाना चाहिए। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर उनके साथ जगत सिंह मलिक, राजेन्द्र सिंह राठी, डा. ओम प्रकाश मलिक, विनोद गुलिया, सुरेन्द्र तेवतिया, प्रवीन्द्र खत्री, अनिल खत्री,आनन्द प्रकाश, रतन आदि मौजूद थे।

राष्ट्रीय प्रवक्ता ताराचंद मोर व अन्य भूतपूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह पुष्पांजलि अर्पित करते हुए।

सोनीपत। ज्ञान गंगा ग्लोबल स्कूल में सेंटा क्लॉज व एंजेल परी की ड्रेस में सजे नौनिहाल अध्यापिकाओं के साथ । *फोटो : हरिभूमि*

हर्षोल्लास के साथ मनाया क्रिसमस का त्योहार

सोनीपत। ज्ञान गंगा ग्लोबल स्कूल (जी-3) में शनिवार को क्रिसमस का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। छोटे-छोटे, नन्हे-मुन्ने बच्चों ने सेंटा क्लॉज की पोशाक पहनकर सभी को उपहार बांटे और जिंगल बेल गीत पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर समां बांध दिया। स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने प्रभु यीशु के जन्म से संबंधित झांकी व गीत प्रस्तुत किए। बच्चों ने क्रिसमस से संबंधित पोस्टर के माध्यम से यह संदेश दिया कि सांता क्लॉज अपने साथ खुशियां व उपहार लाते हैं। इससे पहले स्कूल के चेयरमैन सुधीर जैन, सीईओ संजय जैन व प्राचार्या गीता चोपड़ा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर चेयरमैन सुधीर जैन ने कहा कि क्रिसमस का पर्व शांति, प्रेम एवं भाईचारे का संदेश देता है। सीईओ संजय जैन ने कहा कि क्रिसमस शांति का संदेश देता है। शांति के बिना किसी का अस्तित्व संभव नहीं है।

खबर संक्षेप

खेल उत्सव आयोजित विजेता सम्मानित

सोनीपत। गेटवे इंटरनेशनल स्कूल में वार्षिक खेल उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरंभ जिला शिक्षा अधिकारी नवीन गुलिया ने मुख्यातिथि के तौर पर पहुंच कर करवाया। वहीं विशिष्ट अतिथि के तौर पर रणबीर सरोहा और प्राध्यानाध्यापक प्रेम कुमार ओझा रहे। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

सांझा मोर्चा सीएम आवास का घेराव करेगा

गोहाना। हरियाणा रोडवेज सांझा मोर्चा 24 दिसंबर को करनाल में सीएम आवास का घेराव करेगा। बैठक में विभागीय कर्मचारियों को जिम्मेवारियां सौंपी गई। सांझा मोर्चा के वरिष्ठ नेता व ऑल हरियाणा परिवहन कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष अशोक खोखर ने कहा कि सरकार कर्मचारियों की लंबित मांगों को पूरा नहीं कर रही है।

गोहाना में 25 को लगेगा रक्तदान शिविर

गोहाना। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की गोहाना इकाई के पूर्व अध्यक्ष डॉ. गजराज कौशिक उस रक्तदान शिविर के मुख्य अतिथि होंगे जिसे सोमवार को शहर में टी प्वाइंट पर स्थित भगवान परशुराम चौक में अपने साप्ताहिक शिविर के रूप में भागराम ट्रस्ट द्वारा 25 दिसंबर को आयोजित किया जाएगा।

जिला स्तरीय गीता महोत्सव का दूसरा और अंतिम दिन

दूसरे दिन पहुंचे सांसद, पूर्ण आहुति डाल दिया लोगों को गीता का संदेश

- सांसद ने लगाई गई प्रदर्शनी तथा विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गई स्टॉलों का अवलोकन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

अध्यात्म, कला, ज्ञान व संस्कृति को समर्पित जिला स्तरीय गीता महोत्सव के दूसरे दिन सांसद रमेश कौशिक ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत करते हुए हवन यज्ञ में पूर्ण आहूति डाल उपस्थित लोगों को गीता का संदेश दिया। इस दौरान सांसद ने लगाई गई प्रदर्शनी तथा विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गई स्टॉल का अवलोकन किया। गीता महोत्सव में सांसद रमेश कौशिक ने संबंधित करते हुए कहा कि गीता भारतीय संस्कृति की धरोहर का मूल सार है, जो ज्ञान, धर्म और कर्म को प्रतिपादित करती है।

गीता ज्ञान को धारण करने और अपने जीवन में आत्मसात करने के लिए नागरिकों को अपना योगदान देना चाहिए तभी भारत एक बार फिर से विश्व में ज्ञान गुरु की उपाधि प्राप्त करेगा। इस दौरान विभिन्न स्कूली बच्चों ने गीता पर आधारित अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों दी, जिससे पूरा सुभाष स्टेडियम गीता के रंगे में रंग गया। इस मौके पर आचार्य वेदनिष्ठ, एडीसी अंकिता चौधरी, डीसीपी विजय सिंह, एसडीएम डॉ. अनमोल, नगराधीश पूजा कुमारी, भाजपा एससी सैल के जिलाध्यक्ष जसबीर दोदवा, सरदार मोहन सिंह मनोचा, रविंद्र सरोहा, नरेंद्र भुटानी, जितेन्द्र छिक्कारा, सुभाष सिसोदिया, डॉ. अतर सिंह, डॉ. मोनिका दहिया आदि अधिकारी समेत कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान हवन यज्ञ करते हुए सांसद रमेश कौशिक, आचार्य वेदनिष्ठ एवं अन्य।

पुरस्कार वितरण के साथ संपन्न

अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के तहत सुभाष स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय गीता समारोह के अंतिम दिन गीता का संदेश देती शोभायात्रा का आयोजन किया गया, जिसे मुख्य अतिथि के रूप में राई हलका विधायक मोहनलाल बड़ौली ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। तदोपरांत उन्होंने सुभाष स्टेडियम में दीप जलाकर दीपोत्सव में हिस्सा लेते हुए मंगलकामना की कि सबके जीवन से दुख-संकट रूपी अंधकार का विनाश हो और सुख-समृद्धि से हर व्यक्ति का जीवन प्रकाशित हो।

सभी थानों, चौकियों में गूंजे गीता के श्लोक

गोहाना। गीता पाठ करते हुए पुलिस अधिकारी और कर्मचारी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गीता जयंती के उपलक्ष्य में एक मिनट-एक साथ-गीता पाठ वैश्विक अभियान में गोहाना पुलिस भी अभियान का हिस्सा बनी। डीसीपी गोहाना भारती डबास के नेतृत्व में सभी थानों, चौकियों और कार्यस्थलों पर गीता श्लोक गूंजे और गीता पाठ किया गया।

सुबह 11 बजे गोहाना विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपने अपने कार्यस्थलों पर एक साथ बैठकर गीता के श्लोकों का उच्चारण किया। डीसीपी डबास ने कहा कि पूरे विश्व को गीता से जोड़ने के उद्देश्य से गीता जयंती पर हम एक बने-हम नेक बने के उद्देश्य पुलिस ने भागीदारी करते हुए गीता पाठ पढ़ कर क्षेत्रवासियों को सद्भावना, प्रेम और शांति का संदेश दिया। गीता श्लोक से कर्मण्येवाधिकारस्ते हरियाणा पुलिस की वर्दी बैज पर भी अंकित है जो हरियाणा पुलिस के लिए बेहद ही गौरवमई है। यह श्लोक हमें अच्छे कर्म करने के लिए लगातार प्रेरित करता है। एसीपी नरेंद्र सिंह ने पुलिस कर्मियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि कर्तव्य पथ पर सुरक्षा के भाव के साथ समर्पित होकर उत्तरदायित्वों का निर्वहन करें।

सेंटा ने बच्चों को बांटी मिठाइयां और चॉकलेट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

खेड़ी रोड स्थित बीआर ग्लोबल विद्यालय में क्रिसमस पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर कनिष्ठ वर्ग के बच्चों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में और मनोरंजक गतिविधियों में भाग लिया। मनोरंजक रेस प्रतियोगिताओं को लेकर विद्यार्थी बहुत उत्साहित रहे। स्कूल में क्रिसमस पर्व की धूम रही। बच्चों ने जमकर मस्ती की। सैंटा को अपने बीच पाकर सभी काफी उत्साहित थे। बच्चों को मिठाइयां और चॉकलेट सैंटा ने बांटे। बच्चों ने फैंसी ड्रेस, फेस पेंटिंग, क्रिसमस ट्री कलरिंग, मोमबत्ती डेकोरेशन, कुकिंग प्रतिस्पर्धा में भाग लिया। बेहतर प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या पूजा पहल ने कहा कि क्रिसमस शांति का संदेश देता है। हर त्योहर से सीख लेने की जरूरत है।

गन्नौर। बी आर ग्लोबल विद्यालय में पर्व कार्यक्रम के प्रतिभागी छात्र प्रधानाचार्या पूजा पहल व शिक्षकों के साथ।

गीता जयंती में श्लोकों की उत्कृष्ट प्रस्तुति

- गीता विद्या मंदिर में श्लोकाच्चारण प्रतियोगिता के साथ गीता जयंती महोत्सव का हुआ समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

सप्ताहभर से जारी गीता जयंती महोत्सव की प्रतियोगिताओं का समापन गीता विद्या मंदिर में श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता के साथ हुआ। जूनियर वर्ग में छात्रों में चाणक्य सदन से इच्छित, अर्णव प्रथम, शिवाजी सदन से अकोन, रियान द्वितीय, विवेकानंद सदन से वंशदीप, नवजीत तृतीय रहे।

प्रतियोगिता की अध्यक्षता प्राचार्य अश्विनी कुमार ने की। मंच संचालन कुसुम गिरि एवं नीलम रानी ने किया। निर्णायक की भूमिका में सुभाष गुप्ता, कविता वशिष्ठ, पवन कुमार व निशा रहे। सीनियर वर्ग में चाणक्य सदन से सार्थक, हर्षित प्रथम, दयानंद सदन से दीपांशु, नमन कुमार द्वितीय, विवेकानंद सदन से तेजस, यश सांगवान तृतीय रहे। छात्राओं में जूनियर वर्ग में चाणक्य सदन की जीविका, सोनाक्षी प्रथम, दयानंद सदन से कनिका, यशिका द्वितीय, शिवाजी सदन से कनिष्का, नियति तृतीय स्थान पर रहे। सीनियर वर्ग में विवेकानंद सदन से इशिता, दक्षिता प्रथम, शिवाजी सदन से दिव्या, तमन्ना द्वितीय, दयानंद सदन से हिमांशी, नितिक्षा तृतीय रही। मौके पर स्कूल के स्टाफ मौजूद रहे।

यूनिवर्सिटी बनने से क्षेत्र को मिलेगी नई पहचान : जोनी लठवाल

गोहाना। जन नायक जनता पार्टी के जिला प्रवक्ता जोनी लठवाल ने कहा कि गांव बुटाना स्थित जनता शिक्षण संस्थान को स्टेट यूनिवर्सिटी का दर्जा मिलने से बरोदा हलका को नई पहचान बनेगी। इस मामले को टेक ओवर करने के लिए सरकार ने दीनबंधु चौ. छोटू राम साइंस एंड टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी के पूर्व वीसी प्रो. राजेंद्र लायत को ओएसडी नियुक्त किया है। जोनी लठवाल ने कहा कि भाजपा एवम जजपा गठबंधन सरकार ने बरोदा विधानसभा उप चुनाव के समय गांव बुटाना स्थित जनता शिक्षण संस्थाओं को स्टेट यूनिवर्सिटी बनाने का वायदा किया था। सरकार का वह वायदा अब पूर्ण होने की कगार पर है। बहुत जल्दी ही बरोदा व गोहाना के क्षेत्र को हरियाणा सरकार द्वारा स्टेट यूनिवर्सिटी की सौगात दी जाएगी। सांझी सरकार की तरफ से अक्टूबर 2021 में यूनिवर्सिटी बनाने का पहला पत्र प्राप्त हुआ और फरवरी 2022 में सभी कागज जमा हो गए थे।

चुनावों के मद्देनजर धारा 144 की लागू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जिलाधीश डॉ मनोज कुमार ने 24 दिसंबर को द सोनीपत हिंदू एजुकेशनल एंड चैरिटेबल सोसाइटी (पंजीकृत) की गवर्निंग बॉडी/प्रबंध समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों के चुनाव के मद्देनजर कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 144 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आदेश जारी किए हैं। उन्होंने अपने आदेशों में कहा कि हिंदू विद्या पीठ स्कूल सोनीपत में 08 बजे से सायं 05 बजे तक मतदान प्रक्रिया आयोजित की जाएगी। जिलाधीश ने अपने आदेशों में कहा कि मतदान केन्द्र के चारा ओर 200 मीटर की परिधि में पांच या अधिक व्यक्तियों के इकट्ठा होने पाबंदी लगा दी है।धारा-144 का उल्लंघन करते पाए जाने पर प्रशासन उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगा।

आमरण अनशन का 83वां दिन, पुलिस ने दिया नोटिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

एससी-एसटी एक्ट और आरक्षण की मौजूदा व्यवस्था के खिलाफ लघु सचिवालय में गत 83 दिनों से आमरण अनशन पर बैठे राष्ट्रीय जातिगत आरक्षण विरोधी पार्टी के महासचिव रविन्द्र जठेड़ी को पुलिस प्रशासन द्वारा शुक्रवार को देर शाम फिर अनशन-स्थल पर पहुंच कर लिखित नोटिस देने से पार्टी व समर्थक सत्याग्रहीयों में काफी रोष है। शनिवार 83 वें दिन सत्याग्रहीयों ने नोटिस को सरकार की हड़बड़ाहट और घबराहट करार देते हुए अपनी मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी की। पार्टी के हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष एवं नियमित सत्याग्रही राकेश धारीवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि केंद्र सरकार की अनदेखी से लम्बे समय से अनशन पर चल रहे पार्टी महासचिव रविन्द्र जठेड़ी का स्वास्थ्य लगातार गिर चुका है। सरकार के दबाव में पुलिस प्रशासन पहले अनौपचारिक व मौखिक रूप से अनशनरत जठेड़ी व सत्याग्रहीयों को डरा धमकाकर आंदोलन को असफल करने के प्रयास करता रहा इसके तहत ही 18 दिसंबर को पी जी आई रोहतक में भर्ती कराने के नाम पर ले जा कर बिना भर्ती कराए ही छोड़ आया गया, वीरवार को भी देर शाम को लगभग डेढ़ घंटे तक धारा 144 की आड़ में अनशन स्थल को तत्काल छोड़ने हेतु डराया - धमकाया जाता रहा है।

सोनीपत। लघु सचिवालय के सामने धरना स्थल पर रविंद्र जठेड़ी एवं अन्य।

रौनक पब्लिक स्कूल में क्रिसमस उत्सव आज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

रौनक पब्लिक स्कूल का क्रिसमस कार्निवल उत्सव-समारोह 24 दिसंबर को धूमधाम से मनाया जाएगा। यह जानकारी स्कूल के प्रधानाचार्य इन्द्रनाथ सिन्हा ने दी। सिन्हा ने बताया कि विशेष अतिथि मिसेज दिल्ली एनसीआर (2022-23) की विजेता एम एस रशिका मथारू होगी। कार्यक्रम को लेकर स्कूल में तैयारियां जोरो पर चल रही है। क्रिसमस कार्निवल में स्कूल के छात्रों द्वारा लगाई जाने वाली प्रदर्शनी व अन्य कार्यक्रम आकर्षक का केन्द्र होंगे। इसके अलावा छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। प्रधानाचार्य इन्दनाथ सिन्हा ने बताया कि रौनक पब्लिक स्कूल में प्रवेश के लिए छात्रवृति परीक्षा 7 जनवरी को होगी। परीक्षा में शामिल होने वाले प्रथम 100 छात्रों की एडमिशन फीस नही ली जाएगी।

गन्नौर। स्कूल के खेल मैदान में समारोह की तैयारी करते हुए।

96 नागरिकों ने किया रक्तदान

गोहाना। गोहाना निर्वाचन क्षेत्र से चार बार के विधायक व हरियाणा सरकार में पूर्व मंत्री रहे दिवंगत रामधारी गौड़ की 16वीं पुण्यतिथि पर शहर में बरोदा रोड स्थित बाल भारती विद्यापीठ में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 96 नागरिकों ने रक्तदान करके पूर्व कैबिनेट मंत्री को नमन किया। मुख्यातिथि नगर परिषद की चेयरपर्सन रजनी विरमानी रहीं। शिविर के लिए नेतृत्व स्कूल के एमडी हरि प्रकाश गौड़ का रहा। अध्यक्षता प्राचार्या सुमन कौशिक ने की। संयोजन डॉ. बंसीराम गौड़ का रहा। मंच संचालन स्वाति शर्मा ने किया। मिथिलेश गौड़, रचित गौड़, सोनू गौड़, मोनू कौशिक व हरियाणा पब्लिक स्कूल की प्राचार्या सुदेश उप्पल विशेष रूप से उपस्थित रहे। रक्तदान शिविर के आयोजन में समाजसेवी संस्था आहुति के संयोजक सुरेंद्र विश्वास का विशेष सहयोग रहा। रक्त संकलन के लिए पीजीआई रोहतक की टीम पहुंची। शिविर के साथ स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में छात्रों ने गीता के श्लोकों की संगीतमय प्रस्तुति से मंत्रमुग्ध प्रस्तुति दी।

ट्रांसपोर्टर ने लगाया पीटने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

ट्रांसपोर्टर ने दो लोगों को घर में बंधक बनाकर पीटने का आरोप लगाया है। आरोप है कि उनकी दो गाड़ी छीनने के साथ ही 15 लाख का चेक ले लिया गया। पुलिस ने मारपीट का मुकदमा दर्ज कर लिया है। सोनीपत के पटेल नगर निवासी दीपू सिंह ने बताया कि उन्होंने टीडीआई कुंडली में आदर्श ट्रांसपोर्ट सर्विस के नाम से कार्यालय बना रखा है।। उन्होंने दो माह पहले दीपक व कुलदीप से 5 लाख रुपये 6 रुपये प्रतिशत ब्याज पर लिए थे। वह दो महीने से समय पर ब्याज दे रहे थे। दीपू का कहना है कि व्यापार में घाटा हो गया था।

- दो माह पहले दीपक व कुलदीप से 5 लाख रुपये 6 रुपये प्रतिशत ब्याज पर लिए थे

जिस वजह से वह दिसंबर महीने का ब्याज नहीं दे सका। जिस कारण कुलदीप व दीपक ने उसे अपने घर बुला लिया। वह बिचौलिया राजू के साथ 18 दिसंबर को उनके घर गया तो वहां पर उसे व राजू को बंधक बना लिया गया।

आरोपियों ने उन्हें एक दिन तक अपने घर में बंद रखा। उनकी पिटाई की गई। 19 दिसंबर को उनकी दो गाड़ी उठवा ली। 5-5 लाख के तीन चेक व दो खाली चेक ले लिये। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मारपीट का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो वह निम्न टेलीफोन नम्बरों पर कार्यालय समय पर सूचित करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 0130-2989288, 8295154800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

कार्यक्रम

मेयर ने विजेता खिलाडियों को किया पुरस्कृत

सर्वांगीण विकास के लिए नियमित तौर पर खेलों में भाग लेना समय की मांग

- छात्र छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

नगर निगम मेयर निखिल मदान ने देवडू रोड स्थित एक स्कूल के वार्षिक खेल उत्सव में बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस अवसर पर स्कूल के खेल मैदान में विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी। मेयर निखिल मदान ने सभी प्रतिभागी खिलाडियों का हौंसला बढ़ाया और विजेता खिलाडियों को पुरस्कृत किया। मेयर निखिल मदान ने सभी खिलाडियों को अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनायें दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

मेयर निखिल मदान ने कहा की आज के दौर में व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास के लिए नियमित तौर पर खेलों में भाग लेना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के बाद आजकल बच्चे ज्यादा समय मोबाइल और टीवी देखने में बिता रहे है जो स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं है। सभी बच्चों को अपनी दिनचर्या में किसी न किसी खेल को जरूर शामिल करना चाहिए। छात्र छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। कार्यक्रम में स्थानीय निगम पार्षद मुकेश सैनी, स्कूल चेयरमैन सुमेर चंद, मेहर सिंह, कृष्ण, किरण सैनी, प्राचार्य विनेश सैनी, राहुल सैनी विशेष रूप से मौजूद रहे।

सोनीपत। कार्यक्रम में पहुंचें मेयर निखिल मदान को स्मृति चिन्ह देते हुए आयोजक।

साइंस क्विज प्रतियोगिता में अनुराग सदन प्रथम

गन्नौर। विजेता सदन के छात्रों के साथ स्कूल निदेशक अजय यादव व शिक्षक।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

चाइल्ड केयर पब्लिक हाई स्कूल के प्रांगण में अंतरसदनीय साइंस क्विज प्रतियोगिता हुई। जिसमें स्कूल के चार सदनों कल्पना ,अनुराग, शक्ति, विवेक ने भाग लिया। प्रतियोगिता के चार राउंड लिए गए। सभी सदनों के प्रतिनिधियों ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया व साथ में सदन के दर्शक विधार्थियो ने भी अपने सदन के लिए ताकत लगाई। प्रतियोगिता में प्रथम अनुराग सदन, द्वितीय विवेक, तृतीय कल्पना, चतुर्थ शक्ति सदन रहा। सभी बच्चो को प्रधानाचार्या ने मैडल पहनाकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता का आयोजन शिक्षक साहिल व प्रिया पाराशर साइंस अध्यापक ने किया। सभी बच्चे प्रतियोगिता में भाग लेकर बहुत ही उत्साहित थे। स्कूल के निदेशक अजय यादव ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिता से बच्चो के अंदर छुपी प्रतिभा को बाहर निकालने में मदद मिलती है और बच्चो के अंदर प्रतियोगिता की भावना उत्पन्न होती है। शिक्षक पिंकी शर्मा,रवि, कंवल सिंह ने अपने अपने सदनों की व्यवस्था संभाली।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 24 दिसंबर 2023

क्रिसमस स्पेशल

ईसा मसीह का जन्मदिन सदियों से क्रिसमस पर्व के रूप में मनाया जाता है। इस पर्व की सबसे बड़ी विशेषता है कि लगभग सभी धर्मों के लोग दुनिया भर में इसे उल्लास से मनाते हैं। इस पर्व में निहित प्रेम और भाईचारे का संदेश ही वास्तव में सभी को एक-दूसरे से जोड़ता है, विश्व बंधुत्व की भावना के लिए प्रेरित भी करता है।

प्रेम-उल्लास का वैश्विक पर्व क्रिसमस

{ कवर स्टोरी / धीरज बसाक }

हर वर्ष 25 दिसंबर को दुनिया के हर कोने में क्रिसमस का पर्व मनाया जाता है। क्रिसमस का यह पर्व यूं तो ईसाई धर्म के प्रवर्तक ईसा मसीह के जन्मदिन की खुशी के रूप में ईसाई धर्म के अनुयायियों के द्वारा मनाया जाता है, लेकिन बहुत से गैर ईसाई लोग भी प्रेम और भाईचारे को बढ़ावा देने वाले इस पर्व को खुशी-उल्लास से मनाते हैं। अपने देश भारत में भी बड़े पैमाने पर सभी धर्मों के लोग क्रिसमस मनाने लगे हैं।

अरबों लोग मनाते हैं यह पर्व

अगर आंकड़ों के हिसाब से देखें तो दुनिया में करीब 2.20 अरब क्रिश्चियन हैं। वे सब तो भरपूर उल्लास के साथ क्रिसमस को सेलिब्रेट करते ही हैं, साथ ही करीब 50 करोड़ दूसरे धर्म के मानने वाले लोग भी इस पर्व को मनाते हैं। इस तरह दुनिया में क्रिसमस अकेला ऐसा पर्व है, जिसे करीब पौने तीन अरब से अधिक लोग मनाते हैं। दूसरे नंबर पर ईद का पर्व है, जिसे दुनिया भर के करीब 2 अरब लोग मनाते हैं।

शुरुआत के संदर्भ में मान्यता

क्रिसमस ईसाईयों का सबसे बड़ा और सबसे महत्वपूर्ण त्योहार है। माना जाता है कि 25 दिसंबर को ही बैतलहम में मैरी और जोसेफ के घर जीसस क्राइस्ट का जन्म हुआ था। सन् 221 में एक ईसाई यात्री सेक्सटस जूलियस अफ्रीकनस ने पहली बार 25 दिसंबर यानी जीसस के जन्मदिन को क्रिसमस के रूप में मनाया था। तभी से धीरे-धीरे ईसाई धर्म के अनुयायियों के बीच जीसस के जन्मदिन को क्रिसमस पर्व के रूप में मनाया जाना शुरू हुआ। सेक्सटस जूलियस अफ्रीकनस नामक इस ईसाई यात्री ने दूसरी सदी के अंत और तीसरी सदी की शुरुआत तक का इतिहास भी लिखा है।

होता है उमंग-उल्लास का माहौल

कई यूरोपीय देशों में 25 दिसंबर यानी क्रिसमस के दिन प्रभु यीशु से संबंधित वैसे ही झांकियां निकलती हैं, जैसे अपने देश में रामलीला के अवसर पर या गुरुपर्व पर झांकियां निकलती हैं। क्रिसमस एक ऐसा धार्मिक उत्सव है, जिसका आनंद सभी धर्मों के लोग लेते हैं, क्योंकि क्रिसमस को लेकर कट्टर धार्मिक आग्रह नहीं है। इसलिए यह त्योहार गैर ईसाई लोग भी पूरे मन से मनाते हैं। इस दिन लोग शाम के समय गिरिजाघर जाते हैं और मोमबत्ती जलाकर प्रार्थना करते हैं। बच्चों को खासतौर पर क्रिसमस का इंतजार इसलिए भी रहता है, क्योंकि 24 दिसंबर की रात में सांता क्लॉज की वेशभूषा में उनका कोई अपना या अंजान व्यक्ति आकर उन्हें चॉकलेट और दूसरे गिफ्ट्स देता है। इस दिन लोग 'क्रिसमस कैरोल' नामक एक खास तरह का गीत गाते हैं। इस मौके पर कई लोग एरोकेरिया नामक पौधे को छोटे-छोटे रंगीन गेंदों, बल्ब और खिलौनों से सजाते हैं, जिसे क्रिसमस ट्री कहा जाता है।

प्रेम-भाईचारे का देता है संदेश

वैसे तो यह पर्व प्रभु ईसा मसीह के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। लेकिन यीशु ने अपने अवतारी जीवन में प्रेम और करुणा के जिन उच्च मानवीय मूल्यों की महत्ता को स्थापित किया, वो उस काल में ही नहीं आज के दौर और हर युग में प्रासंगिक हैं। आज जब हर ओर हिंसा, दुख और तनाव का माहौल है, ऐसे में हम प्रभु यीशु के संदेशों को अपने जीवन में अगर अपना लें, तो ही वैश्विक शांति स्थापित हो सकती है और तभी क्रिसमस पर्व मनाने की सार्थकता होगी। *

जमकर की जाती है खरीदारी

जिस तरह से भारत में दीपावली का त्योहार खरीदारी का बहुत बड़ा मौका होता है, उसी तरह अमेरिका और यूरोप के देशों में सबसे ज्यादा शॉपिंग क्रिसमस के मौके पर होती है। बिग डे शॉपिंग जैसे कॉन्सेप्ट वास्तव में क्रिसमस पर होने वाली शॉपिंग की वजह से ही पॉपुलर हुए हैं। माना जाता है कि विश्व के उपभोक्ता बाजार को गति देने में और उसे महत्वपूर्ण बनाने में क्रिसमस शॉपिंग का बहुत बड़ा योगदान है। अनुमान के मुताबिक समूची दुनिया में क्रिसमस के मौके पर इतनी शॉपिंग होती है, जितनी समूचे अफ्रीकी देशों का वार्षिक बजट भी नहीं होता। इसलिए ना सिर्फ लोगों की खुशियों से बल्कि कारोबार की खुशियों से भी क्रिसमस का बहुत गहरा नाता है, इसलिए यह आधुनिक उपभोक्तावादी संस्कृति का सबसे पसंदीदा पर्व भी है।

{ वर्ल्ड रिकॉर्ड / शिखर चंद जैन }

क्रिसमस पर लाखों लाइट्स से जगमगाता है यह अमेरिकी घर

अगर किसी गांव का कोई घर अपनी जगमगाहट के कारण गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हो जाए तो अचरज होना स्वाभाविक ही है। यही नहीं इस अनूठे प्रकाशमान घर के कारण एक छोटा-सा अमेरिकी गांव क्रिसमस के अवसर पर चर्चित पर्यटन स्थल बन जाता है। इस गांव की आबादी तो लगभग 4,600 लोगों की है, लेकिन क्रिसमस के दौरान, इस अनोखे घर को देखने यहां 60,000 से अधिक पर्यटक आ जाते हैं।

जी हां, हम बात कर रहे हैं न्यूयॉर्क (अमेरिका) के ग्रामीण इलाके डचेज काउंटी के नियनवाले गांव में रहने वाले दंपति टिमोथी और ग्रेस गे के घर की। नियनवाले गांव के अंधेरे माहौल में उनका यह अनूठा घर दूर से किसी प्रकाश स्तंभ की तरह चमकता हुआ दिखता है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि क्रिसमस के मौके पर टिमोथी-ग्रेस गे के इस घर में 7,20,420 बल्ब जलते हैं। ये बल्ब एक साउंड ट्रैक से जुड़े हुए होते हैं, जो करीब ढाई सौ गीतों की धुन पर बार-बार रंग बदलते हैं। इससे जगमगाहट से पूरा माहौल जादुई और बहुत आकर्षक लगता है। यहां एक तालाब भी है, दोनों किनारे पर लगे पेड़ों पर बंधी रस्सी में बड़ा सा ग्लोब, हार्ट, सितारे और इंद्रधनुष लटकाए जाते हैं। ये सभी आकृतियां भी रंग-बिरंगे बल्बों से बनी होती हैं। इनकी छाया जब तालाब के जल में पड़ती है तो देखने वाले को लगता है, मानो वह किसी मायालोक में आ गया है।

ऐसे हुई सजावट की शुरुआत: टिमोथी और ग्रेस गे (पति-पत्नी) ने सबसे पहली बार अपने इस घर को वर्ष 1995 में छोटे बल्बों से रोशन किया था। यह मौका था, उनके पहले बच्चे के जन्मोत्सव का। अपनी खुशी का इजहार करने के लिए इस दंपति ने अपने घर को 600 रंग-बिरंगे बल्बों से सजाया था। कुछ वर्षों बाद अपने शौक को बढ़ाते हुए उन्होंने अपने 1.7 एकड़ में फैले आवासीय परिसर के सामने तालाब के आस-पास मौजूद पेड़ों और झाड़ियां को भी मिनी बल्बों की झालर से सजा दिया।

बना दिया वर्ल्ड रिकॉर्ड: हर साल घर सजाने के क्रम में वर्ष 2011 में टिमोथी-ग्रेस गे को पता चला कि ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले एक दंपति भी अपने घर को लाइटों से सजाते हैं और उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है। उस दंपति से टिमोथी और ग्रेस गे सिर्फ कुछ बल्ब कम लगाते थे। यह जानकारी मिलते ही टिमोथी और ग्रेस गे ने वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम करने की ठान ली। इस तरह अगले ही साल वर्ष 2012 में उन्होंने यह वर्ल्ड रिकॉर्ड हासिल कर लिया। 2013 में वे पिछड़ गए थे, लेकिन उसके बाद 2014 से अब तक उनका ही नाम गिनीज बुक में दर्ज है। अपने इस अनूठे शौक के कारण इस दंपति की ख्याति राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच गई है। टिमोथी-ग्रेस गे के साथ-साथ उनका गांव भी दुनिया भर में चर्चित हो गया है। *

{ अमेजिंग }

वर्ल्ड हाइएस्ट वूडेन चर्च

क्रिसमस के पर्व पर चर्च को बहुत शानदार तरीके से सजाया जाता है। इस अवसर पर प्रभु यीशु के जन्मोत्सव की खुशी में चर्च में बड़ी संख्या में लोग जुटकर प्रेयर करते हैं, कैरोल्स गाते हैं और एक-दूसरे को क्रिसमस विश करते हैं।

वैसे तो दुनिया भर में ईसाई धर्म के लोगों के लिए बड़ी संख्या में चर्च मौजूद हैं। लेकिन उनमें से कुछ चर्च अपनी विशिष्ट संरचना के कारण दुनिया भर में चर्चित हैं। इनमें से ही एक वर्ल्ड हाइएस्ट वूडेन चर्च भी है। यह चर्च रोमानिया देश के मारामुरेस काउंटी में सापांता गांव के पास सापांता पेरी मोनेस्ट्री में स्थित है। इस चर्च का नाम दुनिया के सबसे ऊंचे वूडेन चर्च के तौर पर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है।

इस चर्च की ऊंचाई 78 मीटर यानी करीब 256 फीट है। चर्च की इमारत इतनी ऊंची है कि इसे पांच किलोमीटर की दूरी से देख सकते हैं। चर्च का निर्माण मारामुरेस शैली में हुआ है। चर्च के निर्माण में ऑक वुड (बतूल की लकड़ी) का इस्तेमाल हुआ है। ऑक वुड सबसे मजबूत मानी जाती है और लंबे समय तक टिकी रहती है। सापना पेरी मोनेस्ट्री में बना यह चर्च, वर्तमान में रोमानिया देश में ईसाई धर्मावलंबियों के सबसे लोकप्रिय स्थानों में शामिल है। *

प्रस्तुति : देवेंद्र पांडे

{ फेस्टिवल स्टोरी / योगेश कुमार गोयल }

क्रिसमस वाले दिन बच्चों को सांता क्लॉज का खासतौर से इंतजार रहता है। इस दिन वे बच्चों के लिए ढेर सारे उपहार और तरह-तरह के खिलौने लेकर आते हैं। सांता क्लॉज की वास्तविकता से जुड़ी कई कहानियां प्रचलित हैं।

दयावान-बच्चों के प्यारे सांता क्लॉज

क्रिसमस का नाम सुनते ही बच्चों के मन में सफेद-लंबी दाढ़ी वाले लाल-सफेद रंग की ड्रेस और सिर पर फुनगी वाली टोपी पहने पीठ पर खिलौनों उपहारों का झोला लादे बूढ़े बाबा 'सांता क्लॉज' की तस्वीर उभर आती है। बच्चे प्यार से सांता क्लॉज को 'क्रिसमस फादर' भी कहते हैं। सांता क्लॉज के प्रति ना केवल ईसाई समुदाय के बच्चों का बल्कि दुनिया भर में अन्य समुदायों के बच्चों का आकर्षण भी पिछले कुछ समय में काफी बढ़ा है। इसका एक कारण यही है कि विभिन्न शहरों में 25 दिसंबर के दिन सांता क्लॉज बने व्यक्ति विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर खड़े हर समुदाय के बच्चों को बड़े प्यार से उपहार बांटते देखे जा सकते हैं।

कौन है सांता क्लॉज : सांता के बारे में ढेरों कहानियां पढ़-सुनकर अधिकांश बच्चों के दिमाग में यह सवाल जरूर उमड़ता है कि उन्हें उपहार देने और इतना प्यार करने वाला यह सांता क्लॉज आखिर है कौन, यह कहां से आता है और बच्चों को उपहार क्यों देकर जाता है? बच्चों का दिल रखने के लिए कुछ माता-पिता उन्हें कह देते हैं कि वह एक देवदूत है, जो क्रिसमस की रात अपने 8 रेंडियर वाले स्लेज पर बैठकर स्वर्ग से आता है और बच्चों को उपहार बांटकर स्वर्ग वापस चला जाता है। जबकि कुछ बच्चों के पैरेंट्स यह कहकर उनकी जिज्ञासा शांत करते हैं कि सांता क्लॉज, बहुत दूर स्थित एक बर्फीले देश से आता है। वास्तव में सांता क्लॉज, चौथी शताब्दी में मायरा के निकट एक शहर (जो अब तुर्किए के नाम से जाना जाता है) में जन्मे संत निकोलस का ही रूप है।

संत निकोलस बने सांता क्लॉज : प्राचीन कथा के अनुसार, संत निकोलस के पिता एक बहुत बड़े व्यापारी थे, जिन्होंने निकोलस को अच्छे संस्कार देते हुए दूसरों के प्रति सदा दयाभाव रखने और जरूरतमंदों की सहायता करने को प्रेरित किया। निकोलस पर इन सब बातों का इतना असर हुआ कि वह हर समय जरूरतमंदों की सहायता करने को तत्पर रहते। बच्चों से तो उन्हें खास लगाव था।

प्रचलित हैं कई कहानियां : सांता क्लॉज के बारे में कई अन्य कथाएं भी प्रचलित हैं। कहा जाता है कि एक बार निकोलस को मायरा के एक ऐसे व्यक्ति के बारे में जानकारी मिली, जो बहुत धनवान था लेकिन कुछ समय पहले व्यापार में भारी घाटा हो जाने से वह कंगाल हो चुका था। उस व्यक्ति की चार बेटियां थीं लेकिन उनके विवाह के लिए उसके पास कुछ नहीं बचा था। यहां तक कि उसके परिवार के लिए तो खाने के भी लाले पड़ गए थे। जब उससे अपने परिवार की इतनी बुरी हालत नहीं देखी गई और लड़कियां विवाह योग्य हो गईं तो उसने फैसला किया कि वह इनमें से एक लड़की को बेच देगा और उससे मिले पैसे से अपने परिवार का पालन-पोषण करेगा तथा बाकी बेटियों का विवाह करेगा। अगले दिन अपनी एक बेटी को बेचने का विचार करके वह रात को सो गया लेकिन उसी रात संत निकोलस उसके घर पहुंचे और चुपके से खिड़की में से सोने के सिक्कों से भरा एक थैला घर में डालकर चले गए। सुबह जब उस व्यक्ति ने सोने के सिक्कों से भरा थैला पड़ा देखा तो वह बहुत आश्चर्यचकित हुआ। उसने ईश्वर का धन्यवाद करते हुए थैला अपने पास रख लिया और एक-एक कर धूमधाम से अपनी चारों बेटियों की शादी की। बाद में उसे पता चला कि यह थैला संत निकोलस ही उसके घर छोड़ गए थे। *

जुराब टांगने से जुड़ी कहानी

क्रिसमस के दिन कई बच्चे रात के समय अपने-अपने घरों के बाहर अपनी जुराबें टांग देते हैं। इसके पीछे मान्यता यह है कि सांता क्लॉज रात के समय आकर उनकी जुराबों में उनके मनपसंद उपहार भर जाएंगे। इस बारे में भी एक कथा प्रचलित है। कहा जाता है कि एक बार सांता क्लॉज ने देखा कि कुछ गरीब परिवारों के बच्चे आग पर सेंक कर अपनी जुराबें सुखा रहे हैं। जब बच्चे सो गए तो सांता क्लॉज ने उनकी जुराबों में सोने की मोहरें भर दीं और चुपचाप वहां से चले गए।

{ लघुकथाएं }

गरीब

रेलगाड़ी चल पड़ी थी। सभी यात्री कुछ ना कुछ करने लगे। कोई लेट गया, कोई मोबाइल देखने लगा तो कुछ आपसी गपशप में मशगूल हो गए। तभी दो युवक चना, गजक, रेवड़ी आदि बेचने के लिए आए। कुछ लोग उनसे मोल-भाव कर रहे थे, 'दो रुपए कम कर दो, पांच रुपए कम कर दो।' इस चक्कर में एक बूढ़ी महिला ने अपना सौ का नोट नीचे गिरा दिया। सामान बेचने वाले युवक रुपया उठाकर बूढ़ी महिला को देते हुए बोले, 'अम्मा, अपना पैसा संभाल कर रखो।' बूढ़ी महिला सहित बाकी लोग दोनों युवकों की ईमानदारी देखकर हतप्रभ थे। युवक अपना सामान बेचने के साथ रेलगाड़ी की सीट के नीचे अपनी पैनी नजर भी गड़ाए हुए थे। रेलगाड़ी जब एक स्टेशन पर रुकी तो दोनों युवकों ने सीट के नीचे पड़ा कचरा फटाफट एक थैले में भर लिया। 'ओह, कितने गरीब हैं दोनों। बेचारे कचरा जाकर बेचेंगे। इससे चार पैसों की और कमाई हो जाएगी।' एक यात्री ने दूसरे यात्री से कहा। तभी यात्रियों ने देखा, वे दोनों युवक रेलगाड़ी के डिब्बे से बाहर उतरे और सारा कचरा जाकर उन्होंने एक कूड़ेदान में डाल दिया। गाड़ी में बैठे खिड़की से देख रहे यात्रियों का चेहरा फक रह गया। वे सोच रहे थे, 'ये गरीब युवक तो बेहद समझदार निकले। नासमझ तो हम हैं, जो रेलगाड़ी के डिब्बे में गंदगी फैलाए हुए थे।' *

-हरीशचंद्र पांडे

गिफ्ट

आज क्रिसमस था। स्कूल में काफी चहल-पहल थी। तरह-तरह की प्रतियोगिताएं हो रही थीं। फैंसी ड्रेस कॉम्पिटिशन में छोटे-छोटे बच्चे सांता क्लॉज बनकर रेड कारपेट पर आते और अपनी झोली से टॉफियां निकालकर दर्शकदीर्घा में बैठे बच्चों की ओर उछाल देते। बच्चे टॉफियां कैच करके गप्प से मुंह में रख लेते। सभी बच्चों के चेहरे खुशी से खिले थे। लेकिन इन बच्चों के बीच बैठी नन्ही नीतू के चेहरे पर उदासी थी। स्कूल प्रिंसिपल की नजरों से वह बची नहीं।

कुछ देर बाद ही बच्चों के बीच में एक बड़ा सांता क्लॉज आया। वह सीधा नीतू के पास गया और बोला, 'हैलो नीतू, अपना गिफ्ट लो!' अपने सामने सांता क्लॉज को देखकर नीतू के चेहरे पर मुस्कान आ गई। लेकिन अगले ही पल नीतू के चेहरे की मुस्कान गायब हो गई। गिफ्ट लेने के लिए उसने बढ़ाए अपने हाथ पीछे कर लिए। यह देख सांता क्लॉज ने प्यार से नीतू के सिर पर हाथ रखकर कहा, 'नीतू बेटा, यह तुम्हारा ही गिफ्ट है।'

नीतू एकाएक रो पड़ी, बोली, 'नहीं.. नहीं.. मैं यह गिफ्ट नहीं ले सकती। घर पर मेरी मां बीमार हैं। मुझे गिफ्ट नहीं, मां के लिए दवाइयां चाहिए।' सांता क्लॉज बने प्रिंसिपल यह सुनकर मन ही मन बहुत दुखी हो गए। उन्होंने तुरंत जेब से अपना पर्स निकाला और नीतू को पांच-पांच सौ के चार नोट पकड़ा कर बोले, 'ये लो नीतू तुम्हारा नया गिफ्ट। अब जाकर मां के लिए दवाइयां खरीद लेना। हमारी प्रभु से प्रार्थना है, तुम्हारी मां जल्दी ठीक हो जाएं।' नीतू की आंखें खुशी से चमक उठीं। वह स्कूल गेट की ओर भागी ताकि सांता क्लॉज से मिले रुपयों से अपनी मां के लिए दवाएं खरीद सके। वहां बैठे लोग यह दृश्य देखते ही रह गए। *

-भूपसिंह 'भारती'

साल 2023 बीतने वाला है। इस बीत रहे वर्ष में राष्ट्रीय स्तर पर बहुत कुछ ऐसा घटित हुआ जो अभूतपूर्व था। कई ऐतिहासिक उपलब्धियां भी हमने हासिल कीं। विभिन्न क्षेत्रों में हासिल की गई उपलब्धियों और सफलताओं पर एक विहंगम दृष्टि।

उपलब्धियों के लिहाज से कैसा रहा साल 2023

फ्लैश बैक
लोकमित्र गौतम

रिवर क्रूज एमवी गंगा विलास

सियाचिन ग्लेशियर पर कैप्टन शिवा चौहान

वेद वन पार्क, नोएडा, उत्तर प्रदेश

वातानुकूलित डबल डेकर इलेक्ट्रिक बस, मुंबई

चंद दिनों में ही साल 2023 इतिहास का हिस्सा बन जाएगा और इसी के ओझल होते कदमों से उम्मीदों से भरे साल 2024 की शुरुआत होगी। जब एक पूरा साल गुजरता है तो हम मुड़कर गुजरे हुए साल को जरूर एक बार देखते हैं। ठहर कर सोचने और समझने की कोशिश करते हैं कि यह साल कितना महत्वपूर्ण था या कि इसे हम और कैसे अपने लिए बेहतर बना सकते थे?

जनवरी: साल 2023 की शुरुआत में यानी जनवरी माह में सर्वोच्च न्यायालय की 5 जजों की एक संविधान पीठ ने भारत सरकार के विरुद्ध नोटबंदी के फैसले को चुनौती देने वाली एक दो नहीं पूरी 58 याचिकाओं को एक साथ खारिज कर दिया। जनवरी में कर्नाटक के देवनहल्ली शहर में केंद्रीय जासूसी प्रशिक्षण संस्थान ने कार्य करना शुरू किया। जनवरी 2023 में ही भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने 'इलेक्ट्रॉनिक सुप्रीम कोर्ट रिपोर्ट' परियोजना की घोषणा की, जिसका उद्देश्य आम वकीलों से लेकर कानून के छात्रों और आम जनता तक को सर्वोच्च न्यायालय के फैसले तक पहुंचने की सुविधा प्रदान करना है।

साल के पहले महीने की अन्य कई महत्वपूर्ण घटनाओं में कैप्टन शिवा चौहान, सियाचिन ग्लेशियर में ऑपरेशनल उद्देश्य से तैनात होने वाली पहली महिला सैन्य अधिकारी बनीं। जनवरी 2023 में पूरे प्रांत में डिजिटल बैंकिंग सुविधा मुहैय्या कराने वाला केरल देश का पहला राज्य बन गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी से बांग्लादेश होते हुए असम के डिब्रूगढ़ तक 3,200 किलोमीटर की दूरी तय करने वाले दुनिया के सबसे लंबे रिवर क्रूज एमवी गंगा विलास को वाराणसी में हरी झंडी दिखाई। इसी जनवरी माह में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सीमा सड़क संगठन द्वारा अरुणाचल प्रदेश की सिओम नदी पर बनाए गए पुल का उद्घाटन किया।

पैंगोंग फ्रोजेन लेक, लद्दाख के मैराथन विनर

फरवरी: इस साल फरवरी में पहली बार 20 फरवरी 2023 को लद्दाख के पैंगोंग त्सो झील में फ्रोजन लेक मैराथन आयोजित की गई। इसे गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड में सबसे ऊंची फ्रोजन लेक का दर्जा मिला। इसी महीने मुंबई में पहली बार एक वातानुकूलित डबल डेकर इलेक्ट्रिक बस की शुरुआत हुई और इसी महीने पहली बार केरल के त्रिशूर स्थित इरिंजादापल्ली श्री कृष्णा मंदिर में रमन नामक एक रोबोटिक हाथी को पेश किया गया, यह 11 फीट ऊंचा और 800 किग्रा. का है। इस साल फरवरी में ही केरल देश का पहला ऐसा राज्य बना, जहां सीवेज की सफाई के लिए रोबोटिक स्क्वेंजर 'बैंडीक्यूट' को लांच किया।

मार्च : मार्च 2023 में सुरेखा यादव एशिया महाद्वीप की पहली महिला लोकोमोटिव पायलट बनीं। सुरेखा यादव ने 13 मार्च को वंदे भारत एक्सप्रेस को सोलापुर से सीएसएमटी तक पटरी पर दौड़ाया। इसके साथ ही वह वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को चलाने वाली पहली महिला लोको पायलट भी बन गईं। मार्च के आखिर में राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान करनाल ने घोषणा की कि उसने पहली बार गाय की देसी नस्ल गीर का क्लोन बछड़ा पैदा किया।

अप्रैल: चुनाव आयोग ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पहली बार 'वोट फ्रॉम होम' की शुरुआत की, इसके तहत ऐसे व्यक्ति जो वोट डालने मतदान केंद्र तक नहीं जा सकते, उनके घर में वोट डालने की व्यवस्था की जाएगी।

अंडरग्राउंड ट्रांसफार्मर सेंटर, बेंगलुरु

मई: मई 2023 में भारत और बांग्लादेश के बीच व्यापार को बढ़ावा देने के लिए मेघालय के जयंतियां हिल्स में दावकी भूमि बंदरगाह का उद्घाटन किया गया। इसी महीने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने लर्निंग मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम 'सक्षम' को लांच किया, जिसका उद्देश्य भारत में स्वास्थ्य पेशेवरों को उच्चस्तरीय चिकित्सा प्रशिक्षण प्रदान करना है।

जून: जून माह में दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में उत्तर भारत का पहला 'स्किन बैंक' खोला गया, जहां मृत व्यक्तियों की त्वचा दान की जाती है। जून 2023 में भारत 1.45 लाख किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ अमेरिका के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा राजमार्ग नेटवर्क वाला देश बन गया।

जुलाई: केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने जुलाई माह में घोषणा की कि 1 जनवरी 2025 के बाद से सभी ट्रकों के केबिन अनिवार्य रूप से वातानुकूलित प्रणाली वाले होंगे। उत्तर प्रदेश के नोएडा में देश का पहला 'वेद वन पार्क' नामक वैदिक थीम वाला पार्क खोला गया, जहां 50,000 से ज्यादा औषधीय पौधे लगाए गए हैं। पार्क को वैदिककाल के साथ ऋषि मुनियों के नाम पर बांटा गया है।

अगस्त: 23 अगस्त 2023 को भारतीय समयानुसार शाम 6 बजकर 4 मिनट पर चंद्रयान-3 की चांद की सतह पर सफल लैंडिंग हो गई। 25 अगस्त 2023 को कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने दिल्ली में न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए टेली-लॉ और न्यायबंधु एप को एकीकृत करने वाला टेली-लॉ-2.0 लांच किया।

सितंबर: अमेजन इंडिया ने श्रीनगर की डल झील पर देश का पहला तैरता हुआ 'आई हैव स्पेस' स्टोर लांच किया। सितंबर 2023 में सांची भारत का पहला सोलर सिटी बन गया। सितंबर में ही बेंगलुरु में देश का पहला अंडरग्राउंड ट्रांसफार्मर सेंटर स्थापित किया गया। त्रिपुरा सरकार ने ग्रामीण इलाकों में महिलाओं के लिए अलग से पिंक शौचालय निर्मित करने की घोषणा की।

अक्टूबर: 2 अक्टूबर 2023 को बिहार सरकार द्वारा जाति आधारित सर्वेक्षण को सार्वजनिक किया गया। यूनेस्को विश्व धरोहर में शामिल तमिलनाडु के ममल्लापुरम में स्थित तट मंदिर भारत का पहला हरित ऊर्जा पुरातत्व स्थल बन गया।

नवंबर: नवंबर माह में विराट कोहली ने एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक बनाने के सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। इसी माह यूनेस्को द्वारा केरल के कोझीकोड को साहित्य का शहर और मध्य प्रदेश के ग्वालियर को संगीत का शहर घोषित किया।

दिसंबर: दिसंबर 2023 में अरुणाचल प्रदेश में दुनिया की सबसे ऊंची माउंटेन बाइक रेस शुरू की गई। दिसंबर में फोर्ब्स बिजनेस पत्रिका ने 2023 में दुनिया की 100 सबसे ताकतवर महिलाओं की लिस्ट जारी की, जिसमें चार भारतीय महिलाएं भी शामिल हैं। इसी महीने यूनेस्को ने गुजरात के गरबा नृत्य को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की मान्यता दी। वर्ष 2023 के इसी आखिरी महीने में युवा चेस प्लेयर वैशाली रमेश बाबू भारत की 84वीं ग्रैंडमास्टर बन गईं। *

खेल-खिलाड़ी 2023 / साशा

इस साल खूब चमके ये भारतीय खिलाड़ी

बीत रहा साल भारतीय खिलाड़ियों के लिए अभूतपूर्व सफलताओं और उपलब्धियों वाला रहा। इस साल कई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने रिकॉर्ड्स बनाए। कुछ प्रमुख खेलों और खिलाड़ियों पर एक नजर।

विराट कोहली

इस साल आयोजित हुए आईसीसी एकदिवसीय क्रिकेट विश्व कप के फाइनल में भारतीय क्रिकेट टीम के हार जाने से भले एक अरब चालीस करोड़ भारतीयों का सपना टूट गया हो। लेकिन इसके अलावा 2023 ऐसा साल रहा, जब अलग-अलग प्रतियोगिताओं और खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने पूरी दुनिया के खेल मैदानों में अपनी प्रतिभा की चमक बिखेरी।

एशियन-पैरा एशियन गेम्स: एशियाई खेलों के इतिहास में यह पहला साल रहा, जब भारत के खिलाड़ियों ने 100 पदकों के आंकड़े को पार किया। इस बार एशियाई खेलों में हिस्सा लेने जब भारतीय खिलाड़ी जा रहे थे, तो हर तरफ यही लक्ष्य गूंज रहा था, 'अबकी बार 100 के पार'। भारतीय खिलाड़ियों ने ना सिर्फ इस लक्ष्य को पार किया, बल्कि उन्होंने एशियाई खेलों के इतिहास में पहली बार 107 मेडल जीते, जिसमें 28 गोल्ड, 38 सिल्वर और 40 ब्रांज मेडल रहे। चीन के होंगझाऊ शहर में भारतीय खिलाड़ियों ने सबका ध्यान अपनी तरफ खींचा। एक तरफ जहां इस साल भारतीय खिलाड़ियों ने एशियाई खेलों में 107 पदक जीतकर ऐतिहासिक रिकॉर्ड कायम किया, वहीं इन्हीं के नक्शे कदम पर चलते हुए भारत के पैरा खिलाड़ियों ने भी पैरा एशियन गेम्स में 111 पदक जीतकर रिकॉर्ड बनाया।

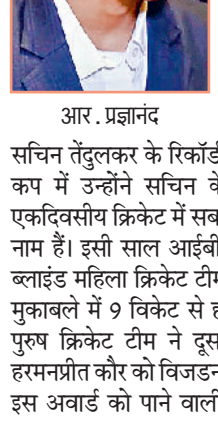
नीरज चोपड़ा

भाला फेंक : जहां तक भाला फेंक खेल की बात है तो इसमें नीरज चोपड़ा ने गोल्डेन ब्वॉय के रूप में अपनी पहचान को कायम रखा। इस साल नीरज चोपड़ा ने भाला फेंक प्रतियोगिता में पहली बार भारत को वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल दिलाया। अब से पहले किसी भी भारतीय खिलाड़ी ने यह बड़ी उपलब्धि नहीं हासिल की थी। भाला फेंक प्रतिस्पर्धा में दुनिया के सबसे चमकदार सितारे नीरज चोपड़ा पूरे साल अपनी कामयाबी और प्रतिभा की रोशनी खेल आसमान में भरपूर तरीके से बिखेरते रहे।

एच एस प्रनॉय

रिले रेस : वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 4x400 मीटर की रिले रेस में भारतीय टीम पांचवां स्थान ही पा सकी, लेकिन 2 मिनट 59.05 सेकेंड का समय निकालकर भारतीय टीम ने एशियन रिकॉर्ड स्थापित किया।

आर. प्रज्ञानंद

बैडमिंटन: इसी साल बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन चैंपियनशिप में एच एस प्रनॉय ने ब्रांज मेडल हासिल किया, जो कि अब से पहले किसी भी भारतीय खिलाड़ी ने नहीं हासिल किया था।

शतरंज: हालांकि इस साल 18 साल के आर. प्रज्ञानंद, शतरंज विश्व कप के फाइनल में हार गए, लेकिन जिस धमाकेदार अंदाज में वह फाइनल तक पहुंचे, उससे सारे टूर्नामेंट की लाइमलाइट उन्हें मिली। उन्हें दुनिया के सबसे होनहार शतरंज खिलाड़ी के रूप में नई पहचान मिली।

हरमनप्रीत कौर

क्रिकेट: इस साल भारत में आयोजित हुए क्रिकेट विश्व कप में विराट ने पहले, एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड की बराबरी की और फिर इसी विश्व कप में उन्होंने सचिन के रिकॉर्ड को पार भी किया। अब एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा 50 शतक विराट कोहली के नाम हैं। इसी साल आईबीएसए विश्व खेल 2023 में भारतीय ब्लाइंड महिला क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया की टीम को फाइनल मुकाबले में 9 विकेट से हराकर स्वर्ण पदक जीता, तो ब्लाइंड पुरुष क्रिकेट टीम ने दूसरा स्थान हासिल किया। इस साल हरमनप्रीत कौर को विजडन क्रिकेटर्स ऑफ द ईयर चुना गया, वह इस अवार्ड को पाने वाली पहली भारतीय महिला हैं। जबकि इसी साल विजडन टी-20 क्रिकेटर्स ऑफ द ईयर सूर्यकुमार यादव को चुना गया, जबकि साल 2022 के लिए इसी साल रेणुका सिंह को आईसीसी इमर्जिंग वुमेन क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया है।

लिएंडर पेस

फुटबॉल: इस साल मनीषा कल्याण, एआईएफएफ महिला फुटबॉलर ऑफ द ईयर चुनी गईं।

व्यक्तिगत उपलब्धियां: इस साल बहुत से भारतीय खिलाड़ियों को चमकदार व्यक्तिगत उपलब्धियां हासिल हुईं, जैसे- आईसीसी के हॉल ऑफ फेम में पहली भारतीय महिला क्रिकेटर डायना इदुलजी चुनी गई हैं, तो वर्ष 2023 के लिए पुरुष विश्व एथलीट ऑफ द ईयर के लिए नामांकित होने वाले नीरज चोपड़ा भारत के पहले खिलाड़ी बने हैं। अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम के लिए भारत के मशहूर टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस नामांकित होने वाले पहले एशियाई खिलाड़ी हैं।

इस तरह देखें तो भारत भले अभी खेल महाशक्ति ना बना हो, लेकिन इतिहास में साल 2023 को उस टर्निंग प्वाइंट वाले साल के रूप में चिन्हित किया जाएगा, जहां से भारत ने खेलों की दुनिया की महाशक्ति बनने का सफर शुरू किया है। *

जलीय जंतु / देवेश प्रकाश

...ताकि विलुप्त ना हो जाए गंगा डॉल्फिन

हालांकि पिछले एक दशक से भी ज्यादा समय से लुप्त होती विशेष जीव प्रजातियों और बिगड़ते पारिस्थितिकी तंत्र पर चिंता जताई जा रही है। लेकिन साल 2023 में इस दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए, उनमें एक गांगेय या गंगा डॉल्फिन को बचाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 14 अक्टूबर 2023 को इसे राज्य जलीय जंतु घोषित किया जाना भी शामिल है। गौरतलब है कि इससे पहले 18 मई 2009 को भारत सरकार ने गंगा डॉल्फिन को भारत का राष्ट्रीय जलीय जीव घोषित किया था।

बहुत विशिष्ट है डॉल्फिन : डॉल्फिन मछली नहीं बल्कि यह एक स्तनधारी जंतु है, मादा डॉल्फिन अपने बच्चे को दूसरी मादाओं की तरह दूध पिलाती है। मादा डॉल्फिन की नर डॉल्फिन से लंबाई थोड़ी अधिक होती है। डॉल्फिन की औसत उम्र करीब 28 साल तक रिकॉर्ड की गई है। गांगेय डॉल्फिन एक ऐसी लुप्तप्राय जीव प्रजाति है, जो अब भारत में सिर्फ गंगा और ब्रह्मपुत्र नदियों में बची है। गंगा नदी में पाई जाने वाली गांगेय डॉल्फिन एक नेत्रहीन जलीय जंतु है, जिसमें सूंघने की अपार शक्ति होती है। जन्मजात नेत्रहीन होने के कारण डॉल्फिन 'इकोलोकेशन' यानी प्रतिध्वनि निर्धारण की बदौलत पहचानकर अपने भोजन हेतु शिकार की तलाश करती है। इसे बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 'सोंस' भी कहते हैं।

गंगा नदी की शुद्धता का संकेतक : गंगा नदी में डॉल्फिन की मौजूदगी, उसके जल के शुद्ध और साफ होने की निशानी है। गंगा के पानी में अगर डॉल्फिन नहीं बच रही, तो इसका मतलब गंगा का पानी जलीय जीवों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इसलिए इसको गंगा नदी के स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण संकेतक माना जाता है।

कई नदियो में था इनका निवास : एक जमाने में गांगेय डॉल्फिन गंगा, यमुना, चंबल, घाघरा, राप्ती और गेरुआ जैसी नदियों में बहुतायत में पाई जाती थी। गंगा और उसकी सहायक नदियों की तरह ही यह ब्रह्मपुत्र-मेघना और संगु-कर्णफुली नदियों में भी पाई जाती थी। यही नहीं यह भारत, बांग्लादेश और नेपाल की तरह भारत से होकर पाकिस्तान में बहने वाली सिंधु नदी में भी बड़ी संख्या में मौजूद थी। लेकिन इसका अस्तित्व अब गंगा नदी के कुछ इलाकों में ही बचा है। एक सरकारी आंकड़े के मुताबिक वर्तमान में इसकी आबादी करीब 2,000 रह गई है।

आबादी घटने के कारण : एक समय था जब गंगा नदी में लाखों की तादाद में डॉल्फिन हुआ करती थीं, लेकिन जैसे-जैसे गंगा में जल प्रदूषण बढ़ा, बांध बनें और तस्करों ने अपने कारोबारी फायदे के लिए इनका शिकार करना शुरू किया, तो तेजी से इनकी संख्या घटने लगी। साल 2009 में गंगा डॉल्फिन के खत्म होने से चिंतित होकर भारत सरकार ने इसे राष्ट्रीय जल जीव घोषित किया और इसके बाद से ही इसकी संख्या में थोड़ी वृद्धि हुई है। इस समय गंगा में उत्तर प्रदेश के नरोरा और बिहार के पटना साहिब, भागलपुर के सुल्तानगंज इलाकों में ही गांगेय डाल्फिन बची हुई है।

बचाव के उपाय: वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) और उत्तर प्रदेश वन विभाग डॉल्फिन की आबादी पर नजर रख रहे हैं। विशेषकर उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले के गढ़ गंगा क्षेत्र में डॉल्फिन के जीवन और प्रजनन पर नजरें रखी जा रही हैं। गंगा डॉल्फिन के बचाव के लिए इसी वर्ष उत्तर प्रदेश में 'मेरी गंगा-मेरी डॉल्फिन 2023' अभियान की शुरुआत की गई। इनकी सुरक्षा के लिए मुजफ्फरपुर बैराज से लेकर नरोरा बैराज तक फैली गंगा नदी के किनारे डॉल्फिन की सुरक्षा और संरक्षण के विशेष उपाय भी किए गए हैं। हालांकि इससे पहले भी भारत सरकार ने 1972 के भारतीय वन्यजीव संरक्षण कानून के दायरे में गंगा डॉल्फिन को शामिल किया था। जब गंगा की सफाई के लिए मिशन क्लीन गंगा बनाया गया तो भी इसमें डॉल्फिनों को ध्यान रखा गया और इनकी वृद्धि के लिए योजना बनाई गई। *

शाहरुख खान को यों ही किंग खान नहीं कहा जाता, बढ़ती उम्र में भी उनका जलवा बरकरार है। इन दिनों वह अपनी नई फिल्म 'डंकी' को लेकर खूब चर्चा में हैं। अपनी फैमिली और फैंस को अपनी ताकत मानने वाले शाहरुख की बातें, उन्हीं की जुबानी।

मैं मुंबई बहुत बड़े सपने लेकर नहीं आया था : शाहरुख खान

अपनी जुबानी / आरती सक्सेना

शाहरुख खान का करियर ट्रैक बहुत ही शानदार रहा है। लेकिन ऐसा भी नहीं है कि उन्होंने अपनी जिंदगी और करियर में उतार- चढ़ाव नहीं देखे। आर्यन के गिरफ्तारी ने उन्हें तोड़कर रख दिया था। उनकी फिल्मों को भी बीच-बीच में असफलता मिली। लेकिन शाहरुख ने इन विपरीत स्थितियों का सामना किया और जल्द ही उभर कर कामयाबी की डगर पर आ गए। करियर की नई ऊंचाइयां छुईं। इस साल 2023 में उनकी सबसे पहले 'पठान' रिलीज हुई। इसके बाद 'टाइगर-3' और 'जवान' आई। 'पठान' और 'जवान' दोनों फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई की। किंग खान के नाम का डंका बजा। अब शाहरुख की इस साल की आखिरी फिल्म 'डंकी' भी रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था। फिल्म की ओपनिंग बहुत शानदार रही है। शाहरुख को विश्वास है, यह फिल्म भी बड़ी सफलता हासिल करेगी। उधर शाहरुख की बेटी सुहाना खान की भी जोया अख्तर

फिल्म 'डंकी' में तापसी पन्नू, विक्की कौशल के साथ शाहरुख

की फिल्म 'द आर्चीज' से फिल्म करियर की शुरुआत हो चुकी है। अपनी बेटी सुहाना का भविष्य वह कैसा देखते हैं? बीता साल 2023 उनके लिए कैसा रहा? आने वाले नए साल 2024 को लेकर उनका क्या कहना है? करियर और पर्सनल लाइफ से जुड़ी बहुत-सी बातें शाहरुख खान ने एक मुलाकात में खुलकर कीं। पेश है ये बातें, उन्हीं की जुबानी-

मेरी हालिया रिलीज फिल्म 'डंकी': फिल्म 'पठान', 'टाइगर-3' और 'जवान' के बाद इस साल की मेरी चौथी फिल्म

मेरा परिवार ही है मेरी ताकत : शाहरुख खान

'डंकी' रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म के डायरेक्टर राजू हिरानी हैं, वह एक ब्रिलिएंट डायरेक्टर हैं। मैं उनके साथ हमेशा से ही काम करना चाहता था। मेरी यह इच्छा अब फिल्म 'डंकी' के साथ पूरी हुई। इस फिल्म में मेरे साथ तापसी पन्नू, बोमन ईरानी और विक्की कौशल हैं। इस फिल्म में देश के प्रति प्रेम को दर्शाया गया है। फिल्म की शूटिंग सऊदी अरब के साथ कई और कंट्रीज में हुई है। मुझे पर्सनली इस फिल्म में काम करके बहुत खुशी हुई, क्योंकि इस फिल्म में एक ऐसा संदेश है, जो हम भारतवासियों के हित में है। पूरी फिल्म मनोरंजन से भरपूर है। फिल्म को शुरुआती रेस्पांस बहुत जोरदार मिला है। मुझे यकीन है, फिल्म को बड़ी सफलता मिलेगी।

ईश्वर, कर्म और किस्मत पर भरोसा : मैं मुंबई बहुत बड़े सपने लेकर नहीं आया था। मेरे सपने बहुत छोटे थे। मैंने कभी नहीं सोचा था कि इंडस्ट्री में मुझे इतना सारा प्यार, नाम, शोहरत और पैसा मिलेगा। मेरा मानना है, अगर आपके कर्म अच्छे हैं तो हजारों मुश्किलों के बाद भी ईश्वर आपके लिए रास्ता निकाल देता है। अपनी मेहनत और किस्मत के साथ मुझे ईश्वर पर भरोसा है। मेरा मानना है, अगर हम ईश्वर और अपने आप पर भरोसा करते हैं तो रास्ते अपने आप बनते जाते हैं। हम यह भी जान लें कि ईश्वर का साथ ना हो तो किस्मत साथ नहीं देती है।

मेरी ताकत, मेरा परिवार और मेरे फैंस : एक एक्टर के लिए बहुत जरूरी है कि वह मानसिक रूप से खुश और संतुष्ट रहे। मेरे साथ ऐसा तभी होता है, जब मैं अपने पूरे परिवार को खुश देखता हूं। अगर मेरे परिवार का कोई भी मेंबर दुखी-परेशान है तो मैं अंदर से टूट जाता हूं, क्योंकि मेरा परिवार ही मेरी ताकत है, मेरी कमजोरी है। अपने परिवर के बिना मैं अधूरा हूं। मेरे प्रशंसक भी मेरी सबसे बड़ी ताकत हैं। आज उनके प्यार और विश्वास की वजह से ही मैं बड़ी सफलताएं पा सका हूं। मैं अपने प्रशंसकों के लिए जी-तोड़ मेहनत करने को तैयार रहता हूं, क्योंकि वे हैं तो ही मैं हूं। उनके प्यार के बिना मेरा कोई वजूद ही नहीं है। अपने मुश्किल वक्त में अपने प्रशंसकों का प्यार ही मुझे जिंदा रख पाया है। आज मैं जो कुछ भी हूं, सिर्फ और सिर्फ अपने फैंस की वजह से हूं।

मेरे दिल के करीब है, मेरी बेटी सुहाना : मेरी बेटी सुहाना मेरे दिल के बहुत करीब है। मैंने जब उसको फिल्म 'द आर्चीज' में एक्टिंग करते देखा तो बहुत खुशी हुई। मैं सिर्फ और सिर्फ उसी को देख रहा था। मुझे वह इतनी प्यारी लग रही थी कि मेरी नजर उस पर से हट ही नहीं रही थी। मुझे लगता है, सुहाना नेचुरल एक्ट्रेस है। वह आगे चल कर और अच्छी एक्टिंग कर सकती है। 'द आर्चीज' फिल्म में सुहाना बहुत ही खूबसूरत लगी है। मेरे छोटे बेटे अबराम ने भी हाल ही में अपने स्कूल फंक्शन में भाग लिया था। उसने भी बहुत अच्छा परफॉर्म किया, देखकर मेरी आंखों में आंसू आ गए।

बीता साल और आने वाला नया साल : 2023 मेरे लिए बहुत खास रहा, क्योंकि इस साल मेरी चार फिल्में 'टाइगर-3', 'पठान' और 'जवान' सिर्फ रिलीज ही नहीं हुईं बल्कि सुपरहिट रहीं। साल के आखिर में मेरी एक और फिल्म 'डंकी' भी रिलीज हो गई है। इसे दर्शकों का प्यार मिल रहा है। 2023 मेरे लिए यादगार साल साबित रहा। जहां तक आने वाले नए साल का सवाल है तो 2024 में मैं अपने अधूरे काम पूरे करूंगा। अपने सारे प्रशंसकों को नए साल की ढेर सारी शुभकामनाएं, इस संदेश के साथ देना चाहूंगा कि कभी भी वे जीवन में हार ना मानें, क्योंकि वक्त पलटते समय नहीं लगता, अगर बुरा वक्त आता है तो अच्छा वक्त भी आता है। *